जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, गुरुवार 28 सितम्बर, 2023

सिर्फ 3 दिन में 5 लाख बढ़ेंगे

Booking QR Code

FOR OUTSTATION CLIENTS:

1. QR Code स्कैन कर ₹ 1 लाख से कोठी बुक करें
2. 15 अक्टूबर तक साइट विजिट करें
3. पसंद नहीं आने पर पूरा पैसा वापस प्राप्त करें

अन्यथा

1 अक्टूबर से 5 लाख अधिक देकर नई रेट में कोठी बुक करें

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक 50% रेट बढ़ेगी

1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट (NPO New Product Offer)	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com | www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

डेंगू के खतरे से चेताती विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट

यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण माने तब भी इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि डेंगू आज और आने वाले समय के लिए दुनिया के देशों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। दुनिया के 129 देश डेंगू की गिरफ्त में आ चुके हैं तो इससे भी मतभेद नहीं हो सकता कि दुनिया के देशों में होने वाली बीमारियों में से 70 फीसदी बीमारी का केन्द्र एशिया महाद्वीप बना हुआ है। डेंगू दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से दुनिया के देशों को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। ड्ब्लूएचओ की ही माने तो आज दुनिया की आधी अबादी डेंगू संभावित क्षेत्र के दायरें में आ गई है। डेंगू की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पेरु के अधिकांश इलाकों में डेंगू के कारण इमरजेंसी लगाई जा चुकी है तो अमेरिका जैसा विकसित देश भी इसके दायरें से बाहर नहीं है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में ही डेंगू के औसतन 600 मामलें प्रतिदिन आ रहे हैं।

दरअसल डेंगू एडीज प्रजाती के मच्छर से फैलता है। डेंगू के मच्छर के बारे में यह माना जाता है कि नमी बाले क्षेत्र खासतौर से पानी एकत्रित होने वाले स्थानों पर यह तेजी से फैलता है। सुबह के समय यह अधिक सक्रिय रहता है। यह भी माना जाता है कि डेंगू होने का दो तीन दिन के बुखार में जांच के दौरात तो पता ही नहीं चलता वहीं तीन चार दिन तक लगातार बुखार के बाद जांच कराने पर डेंगू का पता चलता है। यह भी सही है कि डेंगूं से प्रभावित लोग एक से दो सप्ताह में ठीक भी हो जाते हैं। पर कमजोर इम्यूनिटी वाले या डेंगू के गंभीर होने की स्थिति में तेजी से प्लेटरेट्स कम होने लगती हैं और यहां तक कि शरीर के दूसरे ओरगन्स को प्रभावित करती हुई मौत का कारण भी बन जाती है। हांलाकि डेंमू के कारण मौत की रेट नाममात्र की है पर इसकी गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि डेंगू के कारण मौत के आंकड़ें भी साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं।

कोरोना ने दुनिया के देशों को बहुत कुछ सिखाया है। घर की चार दीवारी में कैद होने से लेकर सबकुछ बंद होने के हालातों से दो–चार हो चुके हैं। अपनों को अपने सामने ही जाते हुए देखा है तो प्लेग को छोड़ दिया जाये तो संभवत: यह पहला मौका होगा जब सब कुछ चाहते हुए भी कोरोना काल में अपनों को अंतिम विदाई तक भी सही ढंग से दे नही पाये हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी।

कोरोना की त्रासदी से अभी उभर भी नहीं पाये हैं कि जानलेवा बीमारियों के नित नए वेरियंट सामने आ रहे हैं। इनके पीछे पिछड़ों देशों के सामने गरीबी एक कारण है तो दूसरी और जलवायु परिवर्तन के कारण डेंगू जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं। अत्यधिक बारिश, बाढ़, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक सर्दी यहां तक की बेमौसम की बरसात जैसे हालात और आए दिन आने वाले समुद्री तूफान चिंता के कारण बनते जा रहे हैं। कोरोना ने तो छोटे–बड़े, गरीब–अमीर, विकसित–अविकसित किसी भी भेद नही किया और पूरी तरह से साम्यवाद को साकार किया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के चार अरब लोग डेंगू संभावित क्षेत्र में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक कार्यक्रम प्रमुख डॉ. रमन वेलायुधन का मानना है कि 2000 की तुलना में 2022 तक डेंगू से प्रभावित लोगों का आंकड़े में आठ गुणा तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। यदि हम हमारे देश भारत की ही बात करें तो 2018 में 101192 मामलें सामने आये थे वहीं 2022 में डेंगू के 233251 मामले सामने आएं। यदि 2020 के साल को छोड़ दिया जाए तो भारत में डेंगू के मामलें लगातार बढ़ते ही रह हैं। कमोबेस यही हालात दुनिया के दूसरे देशों में देखने को मिल रहा है। डेंगू के कारण दुनिया के देशों में एकाध मौत के समाचार भी लगातार आ रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी। इसके लिए जहां साधन संपन्न व विकसित देशों को खुले दिल से आगे आना होगा वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन को दुनिया के देशों में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों व समाजसेवियों को आगे लाना होगा। जिस तरह से कोरोना का एकजुट होकर मुकाबला किया गया ठीक उसी प्रकार का प्रयास, जन जागरण अभियान, अवेयरनेस कार्यक्रम व रोकथाम के संभावित उपायों को प्रभावी तरीके से अंजाम देना होगा। जब आज दुनिया की आधी आबादी यानी कि चार अरब लोग आसानी से डेंगू की जद में आ सकते हैं तो उसकी गंभीरता को समझना होगा। जो पैसा डेंगू होने पर उसके ईलाज पर खर्च होता है उसमें से ही यदि कुछ राशि फोगिंग, टीकारण या अन्य सुरक्षात्मक उपायों पर खर्च की जाती है और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा साधनहीन, अविकसित व गरीब देशों तक डेंगू की रोकथाम के लिए अधिक सहायता पहुंचाई जाती है तो डेंगू की बढ़ती रफ्तार को काबू में किया जा सकता है। इसके लिए सरकारों को कोरोना की तरह एसओपी जारी करने के साथ ही लोगों को जागरुक करना होगा ताकि डेंगू के मच्छर को फैलने से रोका जा सके। दरअसल मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियां अधिक तेजी से फैलती है और बहुत जल्दी रोग ग्रसित कर देती है। इसलिए ठोस कार्ययोजना बनाकर आगे आना होगा। मजे की बात है कि डेंगू व मलेरिया आदि बदलते मौसम में अधिक सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में सतर्कता ही बचाव वाले सिद्वांत के साथ ही इसकी रोकथाम के उपाय करने होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 28 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:48 तक, गंड योग रात्रि 11:54 तक, गर करण प्रात: 8:34 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:28 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 1:48 तक है। भद्रा सांय 6:50 से शुक्रवार प्रात: 5:09 तक रहेगी। आज अनन्त चतुरदशी व्रत, चान्द पूर्णिमा व्रत, सिंजा माता पूजन आरम्भ होगा। आज पंचक है और ईद–ए–मिलाद (बारावफात) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:50 तक, चर 10:48 से 12:48 तक, लाभ–अमृत 12:18 से 3:16 तक, शुभ 4:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:13

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। मानसिक तनाव बना रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

पधारो म्हारे देश के निमंत्रण की संवाहक है राजस्थानी संस्कृति

राजस्थान की धरती सांस्कृतिक कला का अनूठा मिश्रण है

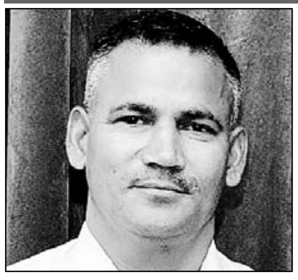

प्रकाश चन्द्र शर्मा

सभ्यता और संस्कृति के विषय में बड़ा भ्रम है। किसी विचार और व्यवहार को निखारना, धोना, मांजना या उसमें उतमोतम गुणों का आधान करना ही संस्कृति है। किसी समाज के विचारों, परम्पराओं, दर्शन, कला, शिल्प, साहित्य व धार्मिक विश्वासों का सामूहिक नाम ही संस्कृति कहा जाता है। बहुधा संस्कृति और सभ्यता को एक समझ लिया जाता है। किन्तु यह ठीक नहीं है। संस्कृति मानव समाज का आंतरिक सतत विकास है तो सभ्यता उसके बाह्य भौतिक जीवन का प्रदर्शन है।

राजस्थानी संस्कृति– मरु प्रदेश, राजपूताना और अब राजस्थान का भारतीय सांस्कृतिक मानचित्र पर विशिष्ठ स्थान रहा है। मरुस्थल में फलती–फूलती शूरवीरों और राजपुत्रों की यह क्षात्र धर्मी धरा केवल शास्त्रों की झंकार और रणोंन्मादी हुंकारों से ही नहीं गूंजी है। रण के साथ ही रंग की साधना, इस धरती की यह विशेषता रही है, जिसने इसे भारतीय संस्कृति की बहुरंगी माला का मूल्यवान रत्न बना दिया गया है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विशेषताएं– राजस्थानी संस्कृति की अनेक निजी तथा सामान्य विशेषताएं है, जो इस प्रकार है–

शूरता की साधना– राजस्थान सदा से शूरवीरों की जन्मस्थली रहा है। वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की भावना इस प्रदेश के कण– कण में और मन–मन में समाई रही है। यहाँ के कवियों ने भी इस भावना पर धार चढ़ाई है।

बादल ज्यूँ सुरधनुष बिण, तिलक बीणा दूज पुत
बनो न सोभे मौड़ बिण घाव बीणा रजपूत।

यहाँ की माताओं ने पालने में ही पुत्र को अपनी भूमि की रक्षा का प्राण निछावर करने की लोरियां सुनाई है। व्यक्तिगत वीरता के प्रदर्शन की उन्मत्तता ने इस धरती पर अनेक निरर्थक रक्तपात भी कराए है। तथापि शूर वीरता राजस्थानी संस्कृति का प्रधान गुण है। शरणागत रक्षा– यहाँ के शासकों ने शरण में आए शत्रुपक्षीय व्यक्ति की रक्षा में अपना सर्वस्व दांव पर लगाया है। हमीर इस परम्परा की मूद्धर्न्य मणि है–

जौहर व्रत– यहाँ भी राजस्थानी संस्कृति की निजी विशेषता रही है। पतियों के केसरिया बाना धारण करके युद्धभूमि में जाने के पश्चात अपने सतीत्व की रक्षा तथा पत्नीव्रत का पालन करने वाली राजपूत नारियाँ जलती चिता में कूदकर जान दे देती थी, इसी को जौहर कहते है।

अतिथि सत्कार– राजस्थान अपने उदार आतिथ्य भाव के लिए सदा से प्रसिद्ध रहा है। अतिथि बनने पर शत्रुओं तक को उचित सम्मान देना, यहाँ की संस्कृति की विशेषता रही है।

साहित्य एवं कला प्रेम– राजस्थान में केवल रण की ही साधना नहीं हुई, यहाँ शिल्प, कला और साहित्य को भी भरपूर सम्मान और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। कवियों को राज्याश्रय मिला। अनेक उत्कृष्ट काव्यकृतियों का स्त्रजन हुआ और आज तक यह परम्परा निर्बाध चली आ रही है।

त्यौहार तथा उत्सव– राजस्थान अपने त्योहारों और उत्सवों के लिए भी प्रसिद्ध है। गणगौर तथा तीज जैसे विशिष्ट सांस्कृतिक छाप वाले त्योहारों के साथ यहाँ सभी प्रदेशों में प्रचलित होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन आदि त्यौहार भी उत्साह के साथ मनाये जाते है। त्योहारों के अतिरिक्त राजस्थान में अनेक मेले और उत्सव भी मनाये जाते है। पुष्कर, करौली, भरतपुर, तलवाड़ा, धौलपुर आदि के उत्सव प्रसिद्ध है।

धार्मिक प्रवृत्तियाँ– राजस्थान में धर्म के प्रति गहरी आस्था सदा से रही है। यहाँ अनेक धर्मानुयायी निवास करते है। अनेक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल यहाँ प्रतिष्ठित है। धार्मिक अनुष्ठान तथा परम्परागत संस्कारों को भी यथेष्ट महत्व प्राप्त हो रहा है।

संस्कृति पर आधुनिक प्रभाव– संस्कृति कोई जड़ अवधारणा नहीं होती। वह परिवेश और परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। अन्य भारतीय प्रदेशों की भांति राजस्थानी संस्कृति भी आधुनिकता की घुसपैठ से प्रभावित हुई है। लोगों की सोच और शैली में परिवर्तन हुआ है। शिक्षा का प्रचार प्रसार हुआ है। अनेक रूढ़ियाँ और परम्पराएं शिथिल हुई है।

नाथद्वारा का श्रीनाथ मंदिर पिछवाई कला के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान का विशिष्ट नृत्य घूमर है, जिसे उत्सवों के अवसर पर केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है। राजस्थान ने भारतीय कला में अपना योगदान दिया है और यहाँ साहित्यिक परम्परा मौजूद है। विशेषकर भाट कविता की। चंदबरदाई का काव्य पृथ्वीराज रासो या चंद रासा, विशेष उल्लेखनीय है, जिसकी प्रारम्भिक हस्तलिपि 12वीं शताब्दी की है।खुद जहूरखां मेहर ई आपरै लेखन नै इण खास गद्य रचना रै कोण सूं देखै। राजस्थानी संस्कृति रा चितराम री भूमिका रै आखिर में औ लिखै के– ''बारा कड़ियां मांय सूं अक ई राजस्थानी गद्य में तुसियै जित्ती ई गिणीजगी तो म्हैं तौ भरपायौ।''

राजस्थानी संस्कृति पुरानी और परम्परा प्रिय रही है किन्तु वह निरंतर विकासशील भी है देश तथा विदेश में होने वाले नवीन परिवर्तन से वह अछूती नहीं है। अपनी परम्परागत विशेषताओं की रक्षा करते हुए वह नवीनता की लहरों में भी बह रही है। आधुनिकता और परम्परा का यह समन्वय राजस्थान की संस्कृति को जीवंत बनाए रखेगा।

राजस्थानी संस्कृति एक बहती नीरा है, जो गाँव–गाँव ढानी, चौपाल, पनघट, महल, झौपड़ी, किले, गढ़ी खेत खलिहान में बहती हुई जन जन रुपी सागर के संस्पर्श से इंद्रधनुषीय छटा बिखेरती है। और अपनी महक के साथ पर्व, मेले, तीज त्योहार, नाट्यय, नृत्य, श्रृंगार पहनावा, रीती रिवाज, आचार व्यवहार आदि में प्रतिबिम्बित होती है तथा जिसे रेत के धोरों के साथ साथ वायुमंडल, वसुंधरा तथा रोम रोम में उल्लसित एवं तरंगित अनुभूत किया जा सकता है। राजस्थानी संस्कृति समष्टिगत, समन्वयात्मक एवं प्राचीन है।

भौगोलिक विविधता एवं प्राकृतिक वैभव ने इसे और आकर्षक बनाया है। वस्तुत: राजस्थानी संस्कृति लोक जीवन को प्रतिनिधित्व करने वाली संस्कृति है। पधारों म्हारे देश के निमंत्रण की संवाहक राजस्थानी संस्कृति सांसकृतिक पर्यटन की पर्याय है। सम्प्रद्ध लोक संस्कृति के परिचायक तीज त्योहार उमंग के प्रतीक मेले, आस्था और विश्वास के प्रतीक लोक देवता, फाल्गुन की मस्ती में नृत्य करती आकर्षक परिधान से युक्त महिलाएं पर्यटकों को चमत्कृत करने के लिए पर्याप्त है।

धरती धोरा री की झिलमिलाती रेत एवं गूंजता सुरीला लोक संगीत पर्यटक को अभिभूत करने वाला होता है। राजस्थान की संस्कृति एवं परम्परा की मुख्य बात यह है कि राजस्थान के जनमानस की विशालता ने जिस प्रकार सभी मान्यताओं और आस्थाओं को फलने फूलने दिया। सूफीमत के संदेशवाहक ख्वाजा साहब के दरबार की दरबार के प्रखर कव्वाल और गायक थे। शंकर शम्भु कव्वाल आज अजमेर सूफी मत का अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख तीर्थ है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले के नाकौड़ा भैरव जैनियों के पूजनीय है ही परन्तु सनातनियों के मान्य भी है। मेवाड़ के केसरियाजी जैनियों के मान्य है और सनातनियों के भी है। यही स्थिति उन लोक देवताओं की है। जिन्होंने वहां के सुदूर अंचलों में स्थित आदिवासियों, जनजातियों एवं किसानों को सदियों से आस्था के सूत्र में बांधे रखा।

रुणिचा में चिर समाधि में लीन रामदेव, जिस प्रकार हिन्दुओं के रामदेव है उसी प्रकार मुसलमानों के भी रामसा पीर है। आज भी बाबा रामदेव उत्तर भारत के प्रमुख पूजनीय देवताओं में से एक है। पाबूजी राठौड़ की गोरक्षा हेतु प्राणहुती सम्बन्धी लोक गाथा लाखों को भाव विभोर करती है। लोक गायकों के द्वारा पाबूजी की फड़ को गेय में बांचने की प्रथा मध्यकाल से चली आ रही है।

यहाँ एक कहावत प्रसिद्ध है। सात वार नौ त्योहार। राजस्थान के मेले और पर्व त्योहार रंगारंग एवं दर्शनीय होते है। ये पर्व त्योहार लोगों के जीवन उनकी खुशियाँ और उमंग के परिचायक है। प्राय: इन मेलों और त्योहारों के मूल में धर्म होता है, लेकिन इनमें से कई मेले और त्योहार अपने सामाजिक और आर्थिक महत्व के परिचायक है। मनुष्य और पशुओं की अंतनिर्भरता को दर्शाने वाले पशु मेले राजस्थान की पहचान है। पुष्कर का कार्तिक मेला, परबतसर और नागौर के तेजाजी का मेला, जो मूलत: धार्मिक है। राज्य के बड़े पशु मेले माने गये है। राजस्थान में तीज को त्योहारों में पहला स्थान दिया गया है।

राजस्थान में एक कहावत प्रसिद्ध है। तीज त्योहारा बावरी ले डूबी गणगौर। इसका अर्थ है कि त्योहारों के चक्र की शुरुआत श्रावण महीने की तीज से होती है तथा साल का अंत गणगौर के साथ होता है।

गणगौर धार्मिक पर्व होने के साथ ही राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। राजस्थान में पुरा संपदा का अटूट खजाना है। राजस्थान के ख्यातनाम दुर्गों में चित्तौड़, जैसलमेर, रणथम्भौर, गागरोन, जालौर, सिवाना तथा भटनेर का दुर्ग ऐतिहासिक दृष्टि से प्रसिद्ध रहे है। इनके साथ शूरवीरों के पराक्रम, वीरांगनाओं के जौहर की रोमांचक गाथाएं जुड़ी हुई हैं, जो भारतीय इतिहास की अनमोल धरोहर है। राजस्थान के जनमानस को ये दुर्ग और इनसे जुड़े आख्यान सदा से ही प्रेरणा देते आए है। वीरता एवं शौर्य के प्रतीक ये गढ़ और किले अपने अनूठे स्थापत्य, विशिष्ठ सरंचना, अद्भुत शिल्प एवं सौन्दर्य के कारण दर्शनीय है।

राजस्थान की चित्रशैलियाँ भी इसके वैभव का प्रमाण है। बूंदी, नाथद्वारा, किशनगढ़, उदयपुर, जोधपुर, जयपुर आदि राजस्थान की चित्रकला के रंगीन पृष्ट है। जिनमें श्रृंगारिकता के साथ–साथ लौकिक जीवन की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। राजस्थानी शैली गुजराती एवं जैन शैली के तत्वों को अपने में समेटकर मुगल शैली में समन्वित हुई है।राजस्थान के वीर तथा वीरांगनाओं ने जहाँ रणक्षेत्र में तलवारों का जौहर दिखाकर विश्व इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया हैं, वहीँ भक्ति और आध्यात्मिक क्षेत्र क्षेत्र में भी राजस्थान पीछे नहीं रहा है। यहाँ मीरा एवं दादू भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत रहे है। भक्ति गीतों में जहाँ एक ओर लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा मिली है वही व्यक्ति स्वातंत्र्य का स्वर फूटा और लोकपरक सांस्कृतिक चेतना उजागर हुई है। यहाँ के मेलों और त्योहारों के आयोजन में सम्पूर्ण लोकजीवन पूरी सक्रियता के साथ शामिल होकर अपनी भावनात्मक आस्था का परिचय देता है। लोकनृत्य राजस्थानी संस्कृति के वाहक है। यहाँ के लोकनृत्यों में लय, ताल, गीत, सूर आदि का एक सुंदर और संतुलित सामजस्य देखने को मिलता है। गेर, चंग, गीदड़, घूमर, ढोल आदि नृत्य राजस्थान के जनजीवन की संजीवनी बूटियां है। इस बूटी की घूंटी को लेकर राजस्थान के जनजीवन और लोकमानस ने भूखा नंगा रहते हुए भी मस्ती और परिश्रम से जीना सीखा है।

–प्रकाश चंद्र शर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी : राज्यपाल कलराज मिश्र

राजसमंद, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने बुधवार को दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को सुपुर्द किए।

उन्होंने नाथद्वारा में श्रीगोवर्द्धन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन एवं बिलोता में सुखाडिया विवि के राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रमों में सहकारिता मंत्री एवं प्रभारी मंत्री उदयलाल आंजना, शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला, सांसद दिया कुमारी और मिराज समूह के अध्यक्ष मदन पालीवाल आदि उपस्थित रहे। राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने भगवान श्रीनाथजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और देश–प्रदेश की खुशहाल की कामना की। इस दौरान संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना एवं एसपी सुधीर जोशी सहित अन्य ने उनकी अगवानी की। नाथद्वारा में श्रीगोवर्द्धन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को सौ साल पूर्ण होने कर नवीन भवन की सौगात मिली। राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, सहकारिता मंत्री और शिक्षा मंत्री ने विद्यालय भवन का लोकार्पण किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को सुपुर्द किए।

- **बिलोता में कन्या महाविद्यालय और नाथद्वारा में श्रीगोवर्धन रा.उ.मा.वि. के नवीन स्कूल भवन का लोकार्पण**

लोकार्पण के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर सी पी जोशी ने राज्यपाल को विद्यालय के नवीन भवन का अवलोकन कराया और यहां विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने बच्चों से अध्ययन और खेलकूद दोनों गतिविधियों को साथ–साथ जारी रख जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने कहा कि वह छठी कक्षा से 11वीं कक्षा तक इसी स्कूल में पढ़े। उन्होंने विधायक मद से इस विद्यालय में 50 लाख रुपए की लागत से अंग्रेजी लिंग्विस्टिक लैब स्थापित करने की भी घोषणा की।

शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला ने कहा कि राज्य में आईसीटी क्लासेस को लेकर अभूतपूर्व कार्य हुआ है। राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने अंत में बिलोता में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस एवं श्रीनाथजी पीठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विश्वविद्यालय के अधीन निर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया।

किराये के कमरों में चलाए जा रहे हैं आंगनबाड़ी केंद्र

चाकसू, (निसं)। चाकसू नगरपालिका परिक्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगभग दो दर्जन से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों के पास अपना स्वयं का भवन नहीं होने से किराए के कमरों में मुश्किल चलाए जा रहे हैं। विभाग की तरफ से किराया नाममात्र का स्वीकृत होने के कारण इन केंद्रों को ढंग का भवन या कमरा भी नहीं मिल पा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनी को नाममात्र का मानदेय दिया जाकर खानापूर्ति की जा रही है। नन्हे मुन्नों को स्कूल पूर्व की शिक्षा, संस्कार के साथ गुणवत्तापूर्ण पोषाहार दिया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र की गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य की देखरेख एवं आवश्यकता के अनुसार उनको पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। सबसे बड़ी समस्या आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधाजनक भवन एवं परिसर की होती है, जो किसी के पास उपलब्ध नहीं है।

अधिकारियों की उपेक्षा के शिकार आंगनबाड़ी केंद्र के जर्जर भवन।

- **नन्हे-मुन्नों के साथ कभी भी हो सकती है अनहोनी**

चाकसू के वार्ड नंबर 10 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की भवन पूर्णत: जर्जर हो चुका है, दीवारों के पत्थर निकल कर बड़े बड़े छेद हो चुके हैं। यह भवन इतना क्षतिग्रस्त हो चुका है कि कभी भी गिर सकता है एवं अंदर पढ़ने वाले अबोध बालकों के जीवन को खतरा हो सकता है। कहने को तो यह भवन संत कबीरदास मंदिर कहलाता है, लेकिन पिछले अनेक वर्षों से न तो इस भवन की मरम्मत हो सकी और न ही जीर्णोद्धार बताया जा रहा है। कबीरदासजी को मानने वाले दो गुट परस्पर विवादों में उलझे हुए हैं। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं है। आंगनबाड़ी 10 की संचालिका से बात करने पर पता चला कि भवन की जर्जर स्थिति के बारे में विभाग के सीडीपीओ, शिक्षा विभाग के सीबीईओं, एसीबीईओ आदि को जानकारी दे दी गई है। आग्रह एवं अनुरोध भी किया है कि पचास कदम की दूरी पर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन के खाली पड़े तथा अनुपयोगी कक्षा कक्ष अस्थाई तौर पर उपलब्ध करवा दिया जाए तो कम से कम अस्थाई समाधान हो सकता है। मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी हनुमान सहाय, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाशचंद, नोडल अधिकारी रामलाल मीणा ने आश्वासन दिया था कि निकटवर्ती स्कूल में कमरा उपलब्ध करवाने की कार्यवाही चल रही है। लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल रही।

अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाशचंद मीणा ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय नम्बर एक के प्रधानाचार्य सहयोग करने में लापरवाही कर रहे हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 345 प्रभात कोटा, गुरुवार 28 सितम्बर, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

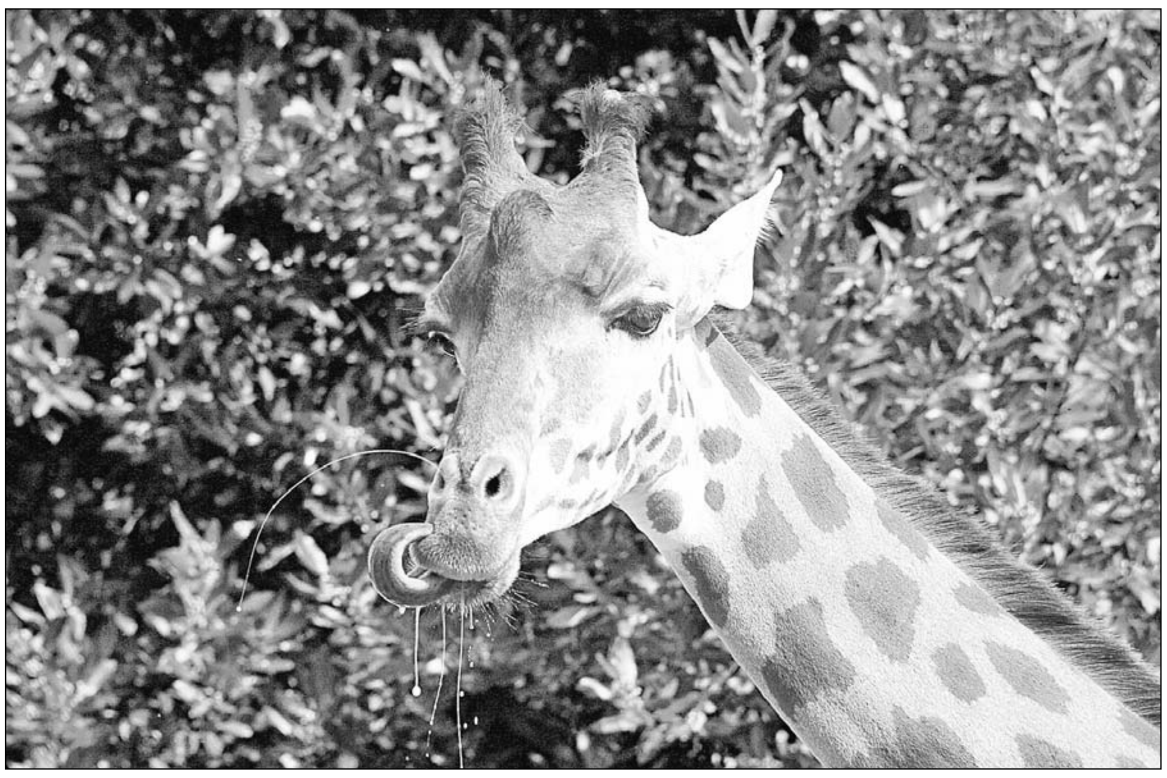

हर साल यदि सिर्फ दो कॉर्डोफैन जिराफ ही मारे जाते हैं तो भी कैमरुम के बैनोयू नैशनल पार्क में यह उपप्रजाति 15 साल में ही लुप्त हो जाएगी। युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल ज़ूलॉजिकल सोसायटी द्वारा करवाए गए नए शोध से यह जानकारी मिली है। अफ्रीकन जर्नल ऑफ इकॉलजी में छपे इस शोध के सहलेखक सैमुअल पैनी ने कहा कि, हमें यह तो लग रहा था कि पार्क के अंदर अवैध शिकार के कारण इनकी आबादी कम हो रही है। तथापि, हमने यह उम्मीद नहीं की थी कि, विलुप्ति की नौबत इतनी जल्दी आ जाएगी। यह बेहद चिंताजनक है। कॉर्डोफैन जिराफ गंभीर रुप से संकटग्रस्त जिराफ उपप्रजाति है, जो कैमरुन, काँगो, सैंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, काँगो, व साउथ सूडान में मिलते हैं। इनकी कुल आबादी 2300 के लगभग है तथा ''बनाओ नैशनल पार्क'' में इनकी आबादी 300 से कम है। मांस, हड्डियों, बाल व पूंछ के लिए जिराफ का शिकार किया जाता है। इनकी खाल का गलीचों के रुप में प्रयोग होता है। हर पांच साल में एक नर व एक मादा के मरने से यह उपप्रजाति 100 साल में लुप्त हो जाएगी और हर साल एक जोड़ा लुप्त होने से 15 साल में लुप्त हो जाएगी। शोध के अनुसार, अवैध शिकार रोकना इस विलुप्ति को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है। जिराफ की सबसे नाटी इस उपप्रजाति के सदस्यों का कद 3.8 से 4.7 मीटर होता है। नर की बजाय मादा के शिकार से आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। मादा 4 साल में प्रजनन योग्य हो जाती है और इनका गर्भकाल 15 माह का होता है। शोध के अनुसार, पार्क में अन्य स्थानों से मादा जिराफ लाने से आबादी बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि शोध लेखक एक स्थान से दूसरे स्थान जानवरों के स्थानान्तरण के खिलाफ हैं। इसकी बजाय शोध ने सुझाव दिया है कि, जिराफ के आवास के बीच के कॉरिडोर की सुरक्षा की जानी चाहिए। कॉरिडोर होने से जिराफ स्वतः अलग-अलग क्षेत्रों में जा सकेंगे।

कांग्रेस हाई कमान ने 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने का मन बनाया

स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई ने कहा, सिर्फ जीतने वाले प्रत्याशी को ही टिकट दिया जाएगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस ने राजस्थान में अपने बहुत से मौजूदा विधायकों के टिकट काटने का पक्का मानस बना लिया है। राजस्थान के लिये बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सार्वजनिक रूप से बयान दे दिया है कि मौजूदा विधायकों को टिकट दिये जाने के स्थान, आगामी विधानसभा चुनावों के टिकट वितरण के अपनाये जाने वाला इकलौता फॉर्मूला प्रत्याशी की ''जीतने की क्षमता'' पर आधारित होगा।

सूत्रों के अनुसार, राजनैतिक रणनीतिकार तथा विश्लेषक सुनील कानूगोलू तथा उनकी टीम ने अपना यह सर्वे कांग्रेस नेतृत्व को भेज दिया है कि सभी विधायकों तथा खासतौर से सभी मंत्रियों के खिलाफ जबरदस्त सत्ता विरोधी भावना है। उन्होंने सिफारिश की है कि अगर पार्टी को चुनाव में टक्कर देनी है तो मौजूदा विधायकों के कम से कम 50 प्रतिशत टिकट काटना जरूरी होगा।

- **राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से साफ कह दिया है कि, सुनील कानूगोलू की रिपोर्ट में जिन विधायकों की हार तय बताई गई है, उन्हें टिकट कदापि न दिया जाए।**
- **जिन विधायकों के टिकट काटे जाएंगे, उनमें से अधिकांश विधायक गहलोत खेमे के हैं, जिनकी हार पक्की बताई जा रही है, पर गहलोत उन्हें हर कीमत पर टिकट दिलाना चाहते हैं।**
- **गहलोत 50 प्रतिशत टिकट मौजूदा विधायकों को दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि, जिन्होंने उनकी सरकार बचाई उन विधायकों को टिकट मिलना ही चाहिए।**
- **गहलोत का कहना है कि, जिन विधायकों ने सरकार गिराने की कोशिश की उन्हें टिकट नहीं देना चाहिए।**

सूत्रों का भी कहना है कि कांग्रेस ने टिकट वितरण उस समय तक रोके रखा है, जब तक चुनावों की घोषणा नहीं हो जाती। ऐसा करने का कारण यह बताया गया है कि विधानसभा चुनाव समय से पहले भी हो सकते हैं, आगे भी खिसक सकते हैं तथा ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' का विचार क्रियान्वित किया जा सकता है। हालांकि वेणुगोपाल ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर दी थी कि राजस्थन के लिये कांग्रेस के टिकटों की घोषणा सितम्बर के शुरु में हो जायेगी।

सूत्रों ने कहा कि टिकट-वितरण में विलम्ब का मुख्य कारण कांग्रेस का यह दृढ़ निश्चय है कि उन विधायकों के टिकट काटे जायेंगे, जो बुरी तरह हारते नज़र आ रहे हैं।

यह भी समझा जाता है कि अशोक गहलोत पूरी जोरदारी के साथ कह रहे हैं कि राजेन्द्र गुढ़ा के निष्कासन के बाद, राज्यसभा चुनावों में 121 विधायकों ने कांग्रेस का समर्थन किया था। गहलोतन ने यह भी कहा है कि इन विधायकों को उस समय भी सरकार को सहयोग दिया था, जब कुछ विधायकों तथ्शा अन्य लोगों ने इस सरकार को गिराने की कोशिश की थी। इस प्रकार, गहलोत का तर्क यह है कि टिकट उन विधायकों के काटे जाने चाहिये, जिन्होंने उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में भाजपा लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है

अक्टूबर 2024 में राज्य के चुनाव होने हैं और लोकसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में निर्धारित हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व अपनी महाराष्ट्र इकाई के एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है कि राज्य के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही करवा लिए जाएं। उनका मानना है कि दो टिकटों वाला चुनाव और प्रधानमंत्री की जोरदार अपील पार्टी के पक्ष में काम करेगी।

- **पार्टी को उम्मीद है कि, दोनों चुनाव एक साथ होने से मोदी फैक्टर ज्यादा प्रभावी ढंग से कारगर होगा।**
- **महाराष्ट्र में भाजपा के नेताओं का कहना है कि, दोनों चुनाव एक साथ हुए तो विधानसभा चुनाव में भी राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावी होंगे।**
- **पार्टी चाहती है कि, राज्य में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया जाए, इसलिए अधिकांश सीटों पर भाजपा अपना प्रत्याशी उतारना चाहती है।**

राज्य विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2024 में हैं लेकिन राज्य भाजपा उन्हें अगले वर्ष अप्रैल-मई में लोकसभा के साथ ही करवाना चाहती है।

नेतृत्व की आंख महाविकास अगाड़ी में शामिल विपक्षी पार्टियों और शिव सेना के एक गुट के साथ अपने गठबंधन के कार्यकलाप पर लगी हुई है।

राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने 2023-24 का बजट सबको खुश करने वाला रखा है। पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि हाल में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ हुआ गठबंधन लोगों को ''फील गुड'' करवाने में मदद कर सकता है।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ करवाने, जहां मोदी की अपील और राष्ट्रीय मुद्दे भी मतदाता के दिमाग में रहेंगे और ये मतदाताओं को प्रभावित करेंगे। ये कहना है मंत्रिमण्डल के एक सदस्य का जो राज्य की चुनावी रणनीति से वाकिफ हैं।

मंत्री ने कहा, ''राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सुझाव दिया है और केन्द्रीय नेतृत्व अब इस विकल्प पर विचार कर रहा है। वह उचित समय पर कदम उठाएगा। राज्य के चुनाव लोकसभा चुनाव के 5-6 माह बाद ही है इसलिए यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए।

भाजपा राज्यों व केन्द्र के चुनाव एक साथ होने का फायदा उठाकर कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना एवं नैशनलिस्ट, कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के कमज़ोर और अवसरवादी गठबंधन की दरारों को उघाड़ना और बढ़ाना चाहती है। मंत्री का कहना है कि, महाराष्ट्र विकास अगाड़ी (एम.वी.ए.) तिकड़ी चुनावों की घोषणा तक एक साथ बने रह सकते हैं, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं कह सकते। चुनाव अभियान के दौरान ही वो टूट सकते हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई.ए ने 7 जगहों पर की छापेमारी

श्रीनगर, 27 सितंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने इस साल की शुरुआत में हुई कश्मीरी पंडित की हत्या की जांच के तहत बुधवार को दक्षिण कश्मीर में सात स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमित शाह और नड्डा का शानदार स्वागत

जयपुर 27 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जयपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर पर उनका स्वागत किया।

स्वागत करने वाले नेताओं में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश चुनाव प्रभारी, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति

- **एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित तमाम बड़े नेता शाह व नड्डा के स्वागत के लिए मौजूद थे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में भाजपा केन्द्रीय मंत्रियों व कद्दावर सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारेगी

गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, राज्यवर्धन राठौड़ और दिया कुमारी का नाम चर्चा में है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। संकेत हैं कि, राजस्थान विधानसभा चुनावों में, बड़ी संख्या में केन्द्रीय मंत्रियों और वर्तमान सांसदों को चुनाव मैदान में उतार कर भाजपा मध्य प्रदेश की अपनी रणनीति को दोहरायेगी। भाजपा ने जहाँ, मध्य प्रदेश के लिए प्रत्याशियों की दो सूचियाँ जारी कर दी हैं, वहीं पार्टी ने राजस्थान सहित उन अन्य राज्यों की लिस्ट जारी नहीं की है जहाँ निकट भविष्य में चुनाव होने वाले हैं। इस बात के भी संकेत मिल रहे हैं कि, भाजपा हाई कमान वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री के चेहरे के रुप में घोषित नहीं करना चाहता है।

- **इस प्रकार भाजपा हाई कमान ने संकेत दे दिया है कि, वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने के पक्ष में नहीं है। भाजपा के 30 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की तैयारी भी कर ली है।**
- **भाजपा ने राजस्थान में भी मध्य प्रदेश की रणनीति पर ही अमल किया है।**

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए जिन केन्द्रीय मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है, उनमें, जल शक्ति मंत्री, गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नाम प्रमुख हैं। भाजपा थिंक टैंक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं दिव्या सिंह, (क्रमशः जयपुर ग्रामीण व राजसमंद से सांसद) को विधानसभा चुनाव लड़वाने के विकल्प पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार यह भी संभावना है कि, भाजपा 30 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट सकती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए, भाजपा ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा है। इनके अलावा चार सांसदों, राकेश सिंह, गणेश सिंह, रीति पाठक और उदयप्रताप सिंह को भी टिकट दिया गया है, जिससे ये चर्चाएं शुरु हो गई हैं कि वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दरकिनार किया जा रहा है।

भाजपा के महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जिनका नाम भी प्रत्याशियों की सूची में है, अपने चयन से खुश नहीं हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा राजस्थान में ''वसुंधरा फैक्टर'' को शून्य करने की तैयारी में

मध्य प्रदेश की तर्ज पर केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। पांच राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए चल रहे भीषण युद्ध में भाजपा वहां के कद्दावर नेताओं को खड़ा करना चाहती है ताकि वह मई में हुई कर्नाटक की हार तथा हाल के उपचुनाव में इंडिया गठबंधन से मिली 3-4 की हार से उबर सके।

भाजपा के एक शीर्ष नेता ने बताया कि पार्टी इस वर्ष होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में ''सामूहिक नेतृत्व'', ''कद्दावर नेताओं और मोदी फैक्टर पर निर्भर रहना चाहती है।''

सूत्रों ने यह भी कहा कि पार्टी किसी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित नहीं करेगी, विशेषकर हिंदी भाषी मध्य प्रदेश और राजस्थान में। यह प्रयास है क्षेत्रीय नेताओं की महत्त्वाकांक्षाओं और प्रतिद्वंदिता को नियंत्रण में रखना और ''व्यक्ति से बढ़कर पार्टी'' का नारा बुलंद करना।

सीधे शब्दों में, भाजपा को उम्मीद है कि बड़े नाम उसे कमज़ोर जगहों पर सीटें जितवा देंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील भी पार्टी को चुनाव का एक दौर और जितवाएगी और मुख्यमंत्री के पद पर नाम खुला रखना क्षेत्रीय नेताओं को ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सूत्रों ने कहा कि प्रयास यह है कि भाई-भतीजावाद को खत्म किया जाए, वंशवादी राजनीति से दूर रहा जाय, विशेषकर इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री कांग्रेस पर आरोप लगाते हैं।

- **सूत्रों का कहना है कि, वसुंधरा राजे भले ही राजस्थान में भाजपा की सबसे ताकतवर एवं प्रभावशाली नेता मानी जाती हैं, पर इस बार उनकी वापसी की संभावना बहुत कम है।**
- **भाजपा हाई कमान दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाएगा और यह संभावना भी नहीं है कि, वसुंधरा एक विधायक के रूप में किसी अन्य मुख्यमंत्री के अधीन विधानसभा में बैठेंगी।**
- **भाजपा की योजना है कि, जिन 5 राज्यों में चुनाव होना है, वहां मोदी फैक्टर पर ही चुनाव लड़ा जाएगा।**
- **समझा जाता है कि, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में भी भाजपा इसी योजना पर अमल करेगी।**

इस योजना की कुछ झलक इस सप्ताह मध्य प्रदेश में देखने को मिलीं।

इसी तर्ज पर भाजपा की राजस्थान में पहली सूची, जो शायद 49 सीटों की है, शीघ्र आने वाली है, यह लिस्ट जयपुर में गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की मुलाकात के बाद जारी हो सकती है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे हैं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, लोकसभा सांसद दिव्या कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़ और सुखबीर सिंह जौनपुरिया।

70 वर्षीय वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और सिंधिया राज परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उनका इस बार उनका लौटना मुश्किल है, हालांकि उन्हें राज्य में भाजपा का सबसे कद्दावर और प्रभावशाली नेता माना जाता है।

गैर-भाजपा मतदाताओं पर अच्छी पकड़ रखने वाली राजे से पार्टी किस तरह पेश आती है यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे किसी अन्य मुख्यमंत्री के मातहत विधायक होकर तो विधानसभा में नहीं बैठ सकतीं।

मध्य प्रदेश में तीन केन्द्रीय मंत्री, चार सांसद और राष्ट्रीय माहसचिव कैलाश विजयवर्गीय प्रत्याशी हैं जबकि अभी तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिधूड़ी टोंक में भाजपा के प्रभारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधूड़ी, जिन्होंने अभी हाल ही, संसद में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ अभद्र एवं मुस्लिम विरोधी टिप्पणियाँ की थीं, को राजस्थान में टोंक चुनाव क्षेत्र का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

- **लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ धर्म आधारित अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सांसद रमेश बिधूड़ी की इस नियुक्ति को राजनैतिक हल्कों में ''पुरस्कार'' बताया जा रहा है, जबकि भाजपा नेतृत्व उन्हें लोकसभा में गलत टिप्पणी के लिए नोटिस दे चुका है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चन्द्रबाबू की अपील पर 3 अक्टूबर को सुनवाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय की एक नई बैंच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू की उस याचिका की सुनवाई 3 अक्टूबर को करेगी, जिसमें उन्होंने राज्य के स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन में कथित 371 करोड़ रू. के घोटाले में उनके खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी इस याचिका की सुनवाई से बुधवार को स्वयं को अलग कर लिया।

- **आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू को 9 सितम्बर को 371 करोड़ रू. के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किया गया था।**

जब न्यायमूर्ति भट्टी, जो न्यायमूर्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीकर के नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप द्वारा 2700 करोड़ की धोखाधड़ी

जांच में 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय की जानकारी मिली

अलवर, (निसं)। नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर द्वारा 2700 करोड़ रुपये की लोगों से धोखाधड़ी की सूचना मिलने पर जांच की। जांच में 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय की जानकारी मिली।

जानकारी के अनुसार नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर द्वारा 2700 करोड़ रुपये की लोगों से धोखाधड़ी की सूचना मिलने पर केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर के जय प्रकाश सिहं के निर्देशन में बसंत गढ़वाल, अपर आयुक्त के नेतृत्व में जांच शुरु की। इस ग्रुप ने राजस्थान, गुजरात, दिल्ली में लगभग 30 जीएसटी फर्म बना कर निवेश करवाया व कोई जीएसटी अदा नहीं की।

जयपुर के अधिकारियों ने इस ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच की, जिसमे अभी तक यह पाया कि लगभग 2700 करोड़ रुपये नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा, ग्रुप सीकर में वसूल किए और साथ ही यह पाया कि इस ग्रुप ने लगभग 1000 करोड़ रुपये उन लोगों को कमीशन के रुप में दे दिए, जिन्होंने इस कार्य में सहयोग किया और लोगों से निवेश करवाया। इस ग्रुप के द्वारा किया गया यह कार्य जीएसटी के दायरे में आता है और अभी तक की जांच में लगभग 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय का पता चला है। जिस पर लगभग 205 करोड़ रुपये की जीएसटी कर चोरी इस ग्रुप द्वारा की गई है।

आर.जी.एच.एस. स्कीम में करोड़ों की दवाईयों के गबन का खुलासा

- **आर.जी.एच.एस. कार्डधारकों के कार्ड का दुरूपयोग करके दवाईयों की खरीद-फरोख्त कर धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज**

जोधपुर, (कासं)। आर.जी.एच.एस. कार्डधारकों के कार्ड का दुरूपयोग करके करोडों रूपये की दवाईयों खरीद फरोख्त कर धोखाधडी करने का मुकदमा आरजीएचएस के संयुक्त दिनेशक परियोजना ने बासनी थाने में दर्ज कराया।

बासनी थाने में दी रिपोर्ट में आर.जी.एच.एस. के संयुक्त परियोजना दिनेशक राजस्थान सरकार डा. अभिषेकसिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बासनी क्षेत्र में स्थित सरकारी और प्राईवेट अस्पताल के डाक्टरों की पर्चियों के आधार पर झंवर मेडिकल स्टोर जालोरी गेट के संचालक उमेश परिवाहर और करीब 44 आरजीएचएस कार्ड धारकों ने सरकार को चूना लगाने के लिये फर्जीवाड़ा करके कुटनीतिक दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रूपये की दवाईयों का फर्जीवाड़ा करने का खुलासा जांच के दौरान पाया गया।

जोधपुर से एक दो अस्पतालों की ही और व्यक्ति विशेष के कार्डधारकों से ही निरतंर लाखों रूपये की दवाईया और इलाज की पर्चिया और बिल आने पर मामला संदिग्ध लगा और जब जांच की गई तो उक्त करोडो रूपये के गबन घोटाले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मामले की जांच थानाधिकारी जितेन्द्रसिंह स्वयं कर रहे है।

आरोपी ने लूट का मामला दर्ज करा 5.50 लाख का गबन किया

कैशियर को ही कम्पनी की राशि का गबन किये जाने के मामले में गिरफ्तार किया

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में गत 25 सितम्बर को थाने को सूचित किया गया कि दो नकाबपोशों द्वारा एक फाईनेन्स कम्पनी के केशियर के साथ मारपीठ कर नगदी से भरा सात लाख की राशि का बेग लूठकर ले गये। जिसके खुलासे में कम्पनी के कैशियर को ही कम्पनी की राशि का गबन किये जाने के अपराध में गिरफ्तार किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा इस लूठ व गबन का खुलासा करते हुए बताया कि अति. पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी व निवाई वृताधिकारी महावीर सिंह और थानाधिकारी हरिपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अनुसंधान कार्य किया तो खुलासा हुआ कि जुठाई गई सूचना एवं संदिग्धता के आधार पर परिवादी से पूछताछ की गई, जिसमें एस.के. फाईनेन्स कम्पनी का केशियर गौरव पिछले कई महिने से केशियर का कार्य कर रहा है, जिसने फाईनेन्स कम्पनी की राशि को स्वयं के इस्तेमाल में व मित्रों को देने में तथा जुआ खेलने में खर्च किया गया है तथा आरोपी गौरव फाईनेन्स कम्पनी के एजेन्टो द्वारा दी गई जमा राशि की रसीदें उसके लेपटॉप द्वारा फर्जी रसीदें बनाकर दिये जाना बताया है। इय गबन को छुपाने के लिए उसने झूठे घटनाक्रम का मामला दर्ज कराया है।

घटना के समय आरोपी द्वारा सात लाख रूपये होना बताया गया था, जबकी आरोपी से 77000 रूपये नगद एवं उसका लेपटॉप बरामद किया गया है तथा उसकी पे अकाउन्ट में जमा होना बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी गौरव पुत्र छत्रधारी ब्राहम्ण उम्र 30 साल निवासी मायलाकुण्ड गर्ल्स स्कूल के पास वार्ड न. चार के पास कस्बा निवाई का निवासी है।

सीटों की बंदरबांट में कौनसा खेमा बाजी मारेगा, कांग्रेस इसमें उलझी है : राठौड़

भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अजमेर में पत्रकार वार्ता की।

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में आगामी माह में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बुधवार को भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे। राठौड़ ने अजमेर शहर भाजपा पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक के पश्चात राठौड़ ने प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस सरकार पर जमकर निधाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की टक्कर कांग्रेस से ही है, प्रदेश कांग्रेस दो गुटों में बटी हुई है। टिकट की बंदरबांट में उलझी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है।

भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर बुधवार सुबह अजमेर पहुंचे, उन्होंने यहां भाजपा कार्यालय में शहर भाजपा के पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक पश्चात पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की टक्कर कांग्रेस से है, कांग्रेस दो गुटों में बंटी हुई है, एक गुट का नेतृत्व सचिन पायलट कर रहे हैं, तो दूसरे गुट का नेतृत्व मुख्यमंत्री गहलोत कर रहे हैं। टक्कर इस बात की है सीटों की बंदरबांट में कौन सा खेमा बाजी मरेगा। जिसका नमूना अजमेर में पिछले दिनों देखने को मिला था, जहां एक समारोह में महेंद्र सिंह रलावता और धर्मेंद्र राठौड़ के समर्थकों के बीच लात घूंसे चले थे।

पायलट की खामोशी आने वाले तूफान का संकेत :- मीडिया को सवालों का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में सचिन पायलट ने अपमान की राजनीति सही है जिसे कोई भूल नहीं सकता। जब किसी को भ्रष्ट, नालायक और निकम्मा कहा जाए तो ऐसा अपमान कोई सहन नहीं कर सकता। पायलट की खामोशी आने वाले तूफान से पहले की शांति है।

भाजपा में सब की राय के अनुसार टिकट वितरण :- राठौड़ ने कहा कि भाजपा में एक ही गुट है वो नरेंद्र मोदी गुट है। टिकट वितरण पर राठौड़ ने कहा कि कार्यकर्ता ही हमारा कैटेगरी है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और मंडल स्तर से लेकर जिला स्तर तक और प्रदेश स्तर तक पारदर्शिता तरीके से सब की राय के अनुसार टिकट वितरण होता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ईडी की छापेमारी पर दिए गए बयान पर राठौड़ ने जवाब देते हुए कहा कि यदि कोई ईडी की रेड उनकी निगाहों में गलत है तो तथ्यों के आधार पर सामने आकर क्यों नहीं कहते। मुख्यमंत्री को आगे आकर कहना चाहिए कि अब तक ईडी ने जितनी रेड की है यह गलत है। एक बात जरूर मुख्यमंत्री कहते हैं जल जीवन मिशन के अंदर राजस्थान में सर्वाधिक घोटाला हुआ। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार पूरी तरह विफल रही है।

युनूस चौपदार ने आमरण अनशन स्थगित किया

अधिकारियों से वार्ता के बाद मिले आश्वासन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने अनशन स्थगित किया।

उदयपुर, (कासं)। कथित रूप से जनजाति विभाग में फर्नीचर खरीद-फरोख्त मामले में हुए घोटाले को लेकर विगत दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने बुधवार को अपना आमरण अनशन स्थगित कर दिया है।

चौपदार के अनुसार जनजाति विभाग के आयुक्त ताराचंद मीणा, अतिरिक्त आयुक्त प्रभा गौतम तथा पुलिस उप अधीक्षक चांदमल सिंगारिया से वार्ता व उनसे मिले आश्वासन के बाद बुधवार को अनशन स्थगित किया गया है। चौपदार ने बताया कि आश्वासन के अनुसार अगर दो अक्टूबर 2023 तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं होने पर मैं पुनः अपने परिवार के साथ सत्याग्रह पर बैठूंगा।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर 189 दिन से धरना जारी

धरनार्थियों ने नारेबाजी करते हुए मालपुरा को जिला बनाने की मांग की

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना जारी है।

मालपुरा, (निसं)। जिला बनने सभी मापदण्डों से परिपूर्ण होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मालपुरा को जिला की घोषणा नहीं करने पर जिला बनाओं कोर कमेटी के बैनर तले शुरू किया गया अनशन व धरना बुधवार को 189वें दिन भी जारी।

धरना स्थल पर बैठे शहर के वरिष्ठजनों एवं महिलाओं सहित सभी राजनैतिक दलों से सम्बन्ध रखने वाले नेताओं ने एक स्वर में नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री से मालपुरा को जिला बनाने की मांग की। बुधवार को धरना स्थल पर बैठे कोर कमेटी के पदाधिकारियो एवं धरनार्थियों ने बताया कि कांग्रेस की परम्परागत सीट होने के बावजूद मुख्यमंत्री ने मालपुरा क्षैत्रवासियों के हितों के साथ कुठाराघात कर दलगत राजनीति का शिकार बनाया है।

मालपुरा से भाजपा का विधायक होने के चलते मुख्यमंत्री ने मालपुरा की जनता से सौतेला व्यवहार कर दूदू जैसी ग्राम पंचायत को जिला बना दिया गया, जबकि मालपुरा जिला बनने की सभी मापदण्डो पर खरा उतरता है। अतिसंवेदनशील मालपुरा मे उपजिला कलेक्टर सहित एएसपी, डीवाईएसपी, एसडीएम, एडीएम स्तर के अधिकारियों के कार्यालय संचालित है। एडीजे कोर्ट ने न्यायिक अधिकारी पदस्थापित है। शहर से होकर दूदू छाण व जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे गुजर रहे है। जयपुर से महज 90 किमी. की दूरी पर मालपुरा होने के बावजूद जिला नहीं बनाया गया।

तलाशी में पांच वाहन व 60 लाख की नकदी बरामद

उदयपुर, (कासं)। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान पांच वाहनों को जब्त कर 60 लाख रूपये नकदी बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने आगामी विधान सभा चुनावों के मद्देनजर मंगलवार रात में विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान अवैध मादक पदार्थ पीकर वाहन चलाने, अवैध नकदी, अवैध हथियार की धरपकड़ के लिए वाहनों की तलाशी शुरू की। इस दौरान सीओं पूर्व सर्कल में करीब 250 दुपहिया वाहन, 100 से अधिक हल्के मीडियम वाहनों को चैक किया। प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने 20 वाहनों की तलाशी की। इस दौरान एक कार में रखे कर्टन की तलाशी ली तो उसमें 60 लाख रूपये नकदी मिली। इस पर वाहन मालिक विशाल मेहता ने पूछताछ में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

दो हजार किलो विस्फोटक पदार्थ बरामद, दो गिरफ्तार

पिकअप में अवैध अमोनियम नाइट्रेट के कट्टे भरे थे

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर सदर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्यवाही करते हुए दो हजार किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट (विस्फोटक पदार्थ) बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुलजिमों द्वारा उक्त विस्फोटक पदार्थ को अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया कि सदर थानाधिकारी किशनसिंह को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि बाड़मेर शहर से महाबार की तरफ पिकअप में अवैध अमोनियम नाइट्रेट के कट्टे भरे हुए आ रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए महाबार रोड़ की तरफ नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान उक्त वाहन आता हुआ दिखाई दिया जिसको रुकवाकर तलाशी ली तो गई तो उसमें चालीस कट्टों में भरा हुआ दो हजार किलोग्राम अवैध अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ।

पुलिस ने पिकअप जब्त कर विस्फोटक पदार्थ बरामद करते हुए वाहन चालक राजेश विश्नोई पुत्र जैताराम निवासी खेडी सालवा पुलिस थाना डांगियावास, जोधपुर हाल राजीव गांधी कॉलोनी, पुलिस थाना देवनगर, जोधपुर और उसके साथी धीमा राम पुत्र हरलाल विश्नोई निवासी चौहानो की ढाणी धवा पुलिस थाना झवर जोधपुर शहर को गिरफ्तार किया व विस्फोटक पदार्थ बरामद अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया। मामले में अग्रिम अनुसंधान एवं पूछताछ की जा रही हैं।

हथियार सहित एक गिरफ्तार

चार अवैध पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिले में आगामी विधानसभा चुनावों के मध्यनजर पुलिस द्वारा अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार व विस्फोटक पदार्थ की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह व वृताधिकारी आनंद सिंह के सुपरविजन में सदर पुलिस थानाधिकारी किशनसिंह मय पुलिस टीम और जिला स्पेशल टीम ने मुखबिर की इत्तिला पर कार्यवाही करते हुए एक मुल्जिम को अवैध पिस्टल, मैगजीन व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया की जिला स्पेशल टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ठाकराराम नाई निवासी रामदेरिया जो की अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त का धंधा करता हैं, वह अपने पास भारी मात्रा में अवैध हथियारों को लेकर धोरीमन्ना रोड से बाडमेर शहर की तरफ आ रहा हैं। जिस पर डीएसटी टीम व सदर थाना पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए नेशनल हाईवे 68 पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान उक्त मुल्जिम ठाकराराम पैदल आ रहा था और पुलिस को देखकर भागने लगा जिस पर पुलिस ने पीछा करते हुए मुल्जिम को दस्तयाब किया।

पुलिस को मुल्जिम की तलाशी में एक थैला मिला जिसमे चार अवैध पिस्टल, चार मैग्जीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी ठाकराराम पुत्र पताराम नाई निवासी रामदेरिया काश्मीर, पुलिस थाना शिव, बाडमेर को गिरफ्तार करते हुए आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया। आरोपी से उक्त हथियारों के खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

उपराष्ट्रपति ने किए ब्रह्मदेव के दर्शन

बालोतरा, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान बुधवार को आसोतरा पहुंचे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ 4.30 बजे वायुमार्ग से भगवान ब्रह्मा के दर्शन हेतु श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा पहुंचे।

श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा पहुँचकर उन्होंने भगवान ब्रह्मदेव के दर्शन कर मन्त्रोचार के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने पूजा कर राष्ट्र में शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण कर मंदिर की सुंदरता को निहारा। उपराष्ट्रपति ने गादिपती तुलसाराम महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी और सांसद देवजी भाई पटेल भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री ने बाबा श्याम के दर्शन किए

खाटूश्यामजी, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने सीएम को पूजा अर्चना करवाकर श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया।

इस दौरान देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत, कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, क्षेत्रीय विधायक वीरेन्द्र सिंह, नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, जिला प्रवक्ता गोविंद पटेल भी मौजूद थे। इससे पूर्व रींगस रोड स्थित हेलीपेड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचे। मुख्यमंत्री हेलीपैड पर उतरकर सीधे कार से रवाना हुए। मुख्यमंत्री ने एक दो कार्यकर्ताओं से हाथ मिलाकर गाड़ी से ही अभिवादन स्वीकार किया। हेलीपैड पर सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक, फूल सिंह ओला, श्याम सुंदर पुनिया, विधायक महादेव सिंह खंडेला सहित अनेक नेता मौजूद रहे। मीडिया के राजनीतिक प्रश्न करने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धार्मिक यात्रा पर आया हूं। यहां कोई राजनीतिक बात नहीं है। मुख्यमंत्री के खाटूश्यामजी दौरे के दौरान खंडेला, सीकर, नीमकाथाना व दांतारामगढ़ विधायक, युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लाम्बा तथा प्रदेश कार्यकारिणी से फूलसिंह ओला व रमेश खंडेलवाल के साथ ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनिता गठाला हैलीपेड पर मौजूद रहे लेकिन मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मूकदर्शक रहे।

रीट भर्ती-2018 में शेष रहे पदों पर नियुक्ति की मांग

- **तीन महिलाओं समेत नौ अभ्यर्थी पानी की टंकी पर चढ़े, राज्य सरकार के खिलाफ जताया विरोध**
- **अभ्यर्थियों ने बताया कि रीट भर्ती 2018 में एमबीसी वर्ग के लिए 372 पद रिजर्व रखे गए थे**

बयाना (निस)। समझौते की पालना में रीट भर्ती-2018 में शेष रहे 372 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर एमबीसी वर्ग के 9 अभ्यर्थी बुधवार को बयाना के कुंडा टेक स्थित जलदाय विभाग की पानी की टंकी पर चढ़ गए। पानी की टंकी पर चढ़े इन अभ्यर्थियों में तीन महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं।

रीट अभ्यर्थियों के पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर एडीएम भरतपुर रतनलाल स्वामी, एसडीएम अमीलाल यादव, तहसीलदार अमित शर्मा, नायब तहसीलदार ममता चौधरी, रुदावल व उच्चौन के पुलिस उपाधीक्षक सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश परमार, पीएचईडी के जेईएन राजेश मीणा एवं एडीएफ के जवान भी मौके पर पहुंचे। एडीएफ के जवानों ने टंकी के नीचे चारों तरफ नेट लगा कर स्थान को सुरक्षित कर लिया है। जिससे कोई हादसा नहीं हो सके। प्रशासन के अधिकारी रीट अभ्यर्थियों से पानी की टंकी से नीचे उतरने को लेकर समझाइश की। अधिकारियों का कहना है कि उनकी बात को तत्काल जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 11:15 बजे रीट भर्ती परीक्षा 2018 के 9 अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग को लेकर कुंडा टेक स्थित पंप हाउस पर तैनात कर्मचारियों की निगाह बचाकर टंकी पर चढ़ गए। यह अभ्यर्थी टंकी पर चढ़कर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक रहे स्वर्गीय कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के जयकारे लगाते हुए राज्य सरकार से नियुक्ति की मांग की। टंकी पर चढ़े अभ्यर्थियों ने रोष जताते हुए बताया कि रीट भर्ती 2018 में एमबीसी वर्ग के लिए 372 पद रिजर्व रखे गए थे।

साल 2020 में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति और राज्य सरकार के बीच समझौता हुआ था। उसमें शेष 4 प्रतिशत आरक्षण के हिसाब से 372 पदों पर एमबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर सहमति बनी थी और 7 दिन में नियुक्ति देने का वादा किया गया था। लेकिन अभी तक नियुक्ति नहीं दी है। तहसीलदार अमित शर्मा ने बताया कि रीट अभ्यर्थियों की मांग को जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार को भेजा जाएगा। रीट अभ्यर्थियों का टंकी पर चढ़ कर इस तरह विरोध प्रदर्शन करना उचित नहीं है। प्रतिनिधिमंण्डल ने जिला कलेक्टर लोकबंधु से भी इस मामले को लेकर वार्ता की है।

गहने और नकदी चुराने के मामले में दो गिरफ्तार

- **पुलिस ने 50 कैमरे खंगाले, जोधपुर से पकड़े आरोपी**

पाली, (नि.सं.)। पाली के टेगौर नगर में एक ज्वैलरी शॉप के ताले तोड़े सोने-चांदी के गहने और 27 हजार रुपए नकद चुराकर ले जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे रिमांड के दौरान पुलिस चोरी का माल बरामद करने का प्रयास करेगी। मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी पुलिस तलाश में है।

कोतवाल अनिल कुमार विश्नोई ने बताया कि मामले में जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र के नई भाकरी बिजली घर के पास रहने वाले 20 साल के भरत पुत्र बाबूलाल भील और बिजली घर के पीछे नई भाकरी सूरसागर बाइपास निवासी 57 साल के रूपेश कुमार उर्फ जावेद उर्फ घी वाला बाबा पुत्र रमेश कुमार ब्राह्मण को गिरपफ्तार किया। आरोपी बस से 12 सितम्बर को दिन में अपने एक साथी के साथ पाली आए। दिन में इन्होंने टैगोर नगर पारस नगर स्थित पारस ज्वैलर्स की रैकी की और देर रात को दुकान से चोरी कर रोडवेज बस स्टेशन से बस पकड़कर वापस जोधपुर चले गए। पुलिस ने 50 से ज्यादा खंगाले तब जाकर इनकी पहचान हो सकी। इन्हें जोधपुर से पकड़कर लाए। पूछताछ में इन्होंने ज्वैलरी शॉप से चोरी करना स्वीकार की। इस पर इन्हें गिरफ्तार किया। रिमांड के दौरान चोरी का माल बरामद करने का प्रयास किया जाएगा। आरोपी भरत के खिलाफ 7 और रूपेश के खिलाफ नकबजनी के 4 मामले पहले से दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार ज्वेलर शॉप के ऑनर ओमकार सिंह उर्फ जनबहादुर सिंह पुत्र नारायण सिंह ने रिपोर्ट थी। जिसमें बताया था कि 12 सितम्बर की देर रात को पारस नगर (टैगोर नगर) स्थित उनकी पारस ज्वैलर्स शॉप के ताले तोड़ चोर करीब 7 किलो चांदी और 4-5 तोला सोने के गहने और 27 हजार रुपए चुराकर ले गए थे। घटना शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सार-समाचार

स्टेशनों पर पीने के पानी जांच की

कोटा, (निसं)। मण्डल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी के मार्गदर्शन में कोटा मंडल पर 16 सितंबर से प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों द्वारा मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 27 सितंबर 2022 को स्वच्छ नीर दिवस पर मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर नामित अधिकारियों के नेतृत्व में स्टेशन पर स्थित फ़िल्टर प्लांट, प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों को सप्लाई किये जा रहे पानी की गुणवत्ता के साथ-साथ स्टेशन पर वाटर स्टेण्डों में पीने के पानी और नलों की जांच की गई। स्टेशन पर संचालित स्टालों पर मिलने वाली पानी की बोतलों के निर्माण तिथि एवं वैधता तिथि की जांच की गई। इस अभियान के अंतर्गत कोटा सहित विभिन्न स्टेशनों पर अधिकारियों और पर्यवेक्षक कर्मचारियों द्वारा पीने के पानी की मानक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नलों, वाटर स्टैंडों एवं बोतल बन्द पानी की गहन जांच की गई। गुरूवार 28 सितम्बर को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत मंडल में स्वच्छ आहार दिवस मनाया जाएगा। रेल प्रशासन द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए स्वच्छता जागरूकता अभियान सम्बन्धी बैनर कोटा मण्डल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर जगह-जगह लगाये गए हैं, साथ ही स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली द्वारा भी स्वच्छता जागरूकता संबंधी संदेशों का प्रसारण कर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

स्मार्टफोन योजना शिविर आज नहीं लगेंगे

कोटा, (निसं)। जिले में इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना शिविरों के अंतर्गत 28 सितम्बर को राजकीय अवकाश होने के कारण शिविरों का आयोजन नहीं किया जाएगा। अतिरिक्त निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग मुकेश विजय ने बताया कि इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के अंतर्गत मोबाइल वितरण के लिए जिले के शहरी क्षेत्र में 2 एवं ब्लॉक मुख्यालय स्तर पर 5 शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के प्रथम चरण में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आठ श्रेणियों के पात्र लाभार्थियों को ही मोबाइल वितरण किया जा रहा है। मोबाइल प्राप्त करने के लिए शिविर स्थल एवं शिविर की तिथि का संदेश प्राप्त होने के उपरान्त ही प्राप्त संदेशानुसार शिविर स्थल एवं शिविर तिथ पर मोबाइल प्राप्त करने के लिए उपस्थित हों। अतिरिक्त निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग ने बताया कि कोटा उत्तर में संत तुकाराम सामुदायिक भवन कुन्हाड़ी, कोटा दक्षिण में दयानंद सरस्वती सामुदायिक भवन जवाहर नगर, सांगोद में अम्बेडकर भवन जोलपा रोड़, इटावा में अम्बेडकर भवन इटावा, लाड़पुरा में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र मंडाना, सुल्तानपुर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं रामगंजमण्डी में कार्यालय नगर पालिका में इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

जागरूकता मोबाइल वैन आज रवाना होगी

बूंदी (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विधिक जागरूकता हेतु मोबाईल वेन का संचालन जिले में 27 सितम्बर से 13 अक्टूबर तक किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सुमन गुप्ता ने बताया कि आज मोबाईल वेन के माध्यम से मीरागेट, रघुवीरपुरा, हट्टीपुरा, भवानीपुरा, दौलतपुरा, रामनगर जाटान व गुढानाथावतान पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर आमजन को लोक अदालत के लाभ, बालकों के अधिकार, बाल विवाह रोकथाम, कन्याभूरण हत्या अधिनियम, बालश्रम अधिनियम, बाल यौन शोषण, वृद्धजनों के अधिकार, मध्यस्थता के लाभ, श्रमिकों के अधिकार, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं आदि विषय पर विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा व मीना जांगिड उपस्थित रहे।

वन्दे भारत का ब्रेकिंग परीक्षण कार्य संपन्न

कोटा, (निसं)। कोटा मंडल में 19 सितम्बर से लगातार ब्रेकिंग परीक्षण किया जा रहा था। कोटा-सवाई माधोपुर सेक्शन में स्वतंत्र रूप से अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ की टीम द्वारा मंगलवार 27 सितम्बर को भी अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटा गति पर विभिन्न प्रकार के ब्रेक लगाकर परीक्षण किया। परीक्षण में आपातकालीन ब्रेक को लगाकर भी कई बार परीक्षण किया। ब्रेकिंग ट्रायल के अंतिम दिन ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक एवं लोको निरिक्षक नेतराम ने अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ की टीम को-आर्डिनेट किया। टेस्टिंग के दौरान सूखी स्थिति के साथ, परिस्थियों को विषम बनाने के लिए चलती गाड़ी के पहियों पर लगातार पानी डलवा कर ब्रेकिंग की गई। परीक्षण के दौरान गुड़ला से लाबान स्टेशन के मध्य अप एवं डाउन एक फेरे में परीक्षण कर कुल 11 बार 160 किलोमीटर प्रति घंटा पर एवं कम गति पर 5 बार ब्रेकिंग की गई। वन्दे भारत रेक में कम्पनी के ब्रेकिंग सिस्टम का परीक्षण कार्य दिनांक 27 सितम्बर को पूरा हो गया है। एकत्र किए गए आंकडे टीम द्वारा विश्लेषण के पश्चात् रेलवे बोर्ड सौपे जाएंगे।

ईद मिलादुन्नबी का जुलूस 29 को निकलेगा

कोटा, (निसं)। पैग़म्बरे इस्लाम की विलादत की खुशी में हर साल की तरह इस साल भी अंजुमन इस्लामिया समीती नूरी जामा मस्जिद विज्ञान नगर के जेरे अहतमाम निकलने वाला ईद मीलादुन्नबी का जुलूस 29 सितम्बर जुमा सुबह 8रू30 से निकाला जाएगा। जुलूस कमेटी के सदर अफ़ज़ल अंसारी ने बताया कि जो जुलूसे मोहम्मदी 28 सितम्बर को निकलना था वो आपसी सहमती से 29 सितम्बर बरोज जुमा सुबह 18.30 से निकाला जाएगा जुलूस नूरी जामा मस्जिद से रवाना होगा और छत्रपुरा मैन रोड़ से होता हुआ विज्ञान नगर संजय नगर होता हुआ नूरी जामा मस्जिद पर जलसे में तब्दील हो जाएगा। पैग़म्बरे इस्लाम की शान में नात व ओलमाये किराम के बयान होंगे। मुल्क हिंदुस्तान में अमन व शांति के लिए दुआ होगी।

मतदान के प्रति जागरुक किया

कोटा, (निसं)। स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचन विभाग द्वारा कंजर्वेशन एवं जागरूकता अभियान के तहत महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुरा में बुधवार को विद्यालय के अठारह वर्ष पूर्ण करने वाले विद्यार्थियो को मतदाता सूचियों में नाम जुड़वाने, अपने मताधिकार का प्रयोग एवं मतदान करने के प्रति जागरूक किया। उपनिदेशक उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय मनोज कुमार पाठक ने बताया कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मतदान एवं मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी शफीकुर्रहमान ने विद्यार्थियों को निर्वाचान में अपने मताधिकार के प्रयोग की शपथ भी दिलवाई।

मरीजों को फल वितरण

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम परमार्थ सेवा समिति के तत्वावधान में झलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर प्रमुख समाजसेवी गोविन्द नारायण अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में शाम 5.30 बजे समिति द्वारा न्यू मेडिकल हॉस्पिटल के छह वार्डो में मरीजों को सेव फल वितरण किये गये। यह जानकारी मुख्य संरक्षक पी.पी.गुप्ता ने दी। गुप्ता ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर प्रमुख समाजसेवी एवं भामाशाह गोविन्द नारायण अग्रवाल ने बताया कि असहाय रोगियों की सेवा करना और कुशलक्षेम पूछना ईश्वर पूजा के समान है। सेवा का भाव मन में रखकर मानवता के दुख दर्द को दूर करने का काम करना चाहिए।

राहुल महाराज 29 को कोटा में

कोटा, (निसं)। राज्य सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य राहुल महाराज शुक्रवार 29 सितम्बर को दोपहर 1:30 बजे कोटा आयेंगे। अतिरिक्त कलेक्टर शहर बृजमोहन बैरवा ने बताया कि राज्य सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य 29 सितम्बर को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर व समस्त जिला स्तरीय अधिकारी व नगर निकाय के अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे तथा रात्रि 10 बजे कोटा से जोधपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

संविदा कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार जारी

बून्दी (निसं)।अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के बैनर तले प्रदेश महामंत्री अनीस अहमद के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग के संविदा निविदा एवं मानदेय कर्मचारी संघ एकीकृत एवं अस्थाई कर्मचारी संघ (शिक्षा विभाग) ने संयुक्त रूप से दो घंटे का कार्य बहिष्कार आज तीसरे दिन भी जारी रहा। सभी संविदा कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

सद्भावना दौड़ दो अक्टूबर को

कोटा, (निसं)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर के अवसर पर जिला मुख्यालय पर सद्भावना दौड़ का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि दौड़ प्रातः 6 बजे उम्मेदसिंह स्टेडियम से प्रारंभ होकर वापस उम्मेदसिंह स्टेडियम पर खत्म होगी।

चिकित्सा क्षेत्र में भी रोल मॉडल बनेगा कोटा : शांति धारीवाल

■ डीलक्स कॉटेज वार्ड समेत करोड़ के विकास कार्यों का मंत्री धारीवाल ने लोकार्पण किया

कोटा, (निसं)। कोटा अब चिकित्सा क्षेत्र में भी रोल मॉडल बनेगा कोटा एमबीएस अस्पताल और जेके लोन परिसर में चिकित्सा के क्षेत्र में सुविधाओं एवं संसाधनों के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पूर्ण होने के बाद चिकित्सा सुविधाओं में बढ़ोतरी के साथ आधुनिक संसाधनों का भी समावेश किया गया है।

इससे पूर्व जेके लोन और एमबीएस अस्पताल में चिकित्सा सेवाओ के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पूर्ण हो चुके हैं जिसकी सुविधाओं का लाभ हाड़ौतीवासियों को मिल रहा है। बुधवार को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा एमबीएस अस्पताल परिसर में 65 करोड़ की लागत से विकसित किए गए अति-आधुनिक कॉटेज वार्ड के लोकार्पण के दौरान कहीं उन्होंने नवनिर्मित कॉटेज वार्ड का अवलोकन किया और भवन और आधुनिक संसाधनों का अवलोकन किया। उद्घाटन समारोह में पहुंचते ही मंत्री शांति धारीवाल का अस्पताल प्रबंधन की ओर से स्वागत किया गया।

जी प्लस 4 कॉटेज वार्ड की विशेषता:- कोटा नगर विकास न्यास द्वारा 65 करोड़ की लागत से कॉटेज वार्ड का निर्माण करवाया गया है। जी प्लस 4 बिल्डिंग विकसित की गई है । जिसमें ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग, लिफ्ट, पहले फ्लोर पर 4 ऑपरेशन थियेटर, 7 प्री ओ टी, 7 पोस्ट ओ टी बेड की सुविधाए हैं। दूसरे फ्लोर पर 52 बेड का आईसीयू वार्ड का निर्माण करवाया गया। तीसरे फ्लोर पर 52 बेड का वार्ड विकसित किया जाएगा वही चौथे फ्लोर पर 32 बेड का डीलक्स वार्ड का निर्माण किया गया। प्रत्येक फ्लोर 25 बाई 130 मीटर का हैं। कॉटेज वार्ड मैं आधुनिक संसाधनों का समावेश किया गया है।। इस आधुनिक बिल्डिंग में लिफ्ट के साथ सीढ़ियां, रैम्प का भी निर्माण करवाया गया है।

अदालत परिसर में करीब 3 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण:- न्यायालय परिसर में शेष बचे कामों को भी मौका मिला तो जल्द पूरा करवाया, परिसर में आने वाले आमजन को भी सुविधा उपलब्ध हो सकें, इसके लिए परिसर में अन्य विकास कार्यों को करवाया जाएगा यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने बुधवार को अदालत परिसर में 2 करोड़ 70 लाख की लागत से वकीलों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य विकास कार्य एवं रिनोवेशन कार्यों का लोकार्पण कर अभिभाषकों को संबोधित करते हुए कहा, लोकार्पण के दौरान मंत्री धारीवाल ने परिसर का अवलोकन भी किया। लोकार्पण समारोह में पहुंचते ही अभिभाषक परिषद की कार्यकारिणी की ओर से मंत्री धारीवाल का स्वागत कर सालों बाद अदालत परिसर में हुए विकास कार्यों पर आभार व्यक्त किया।

हेरिटेज लुक में नजर आने लगा अदालत परिसर:- नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा अदालत परिसर में जी-1 आर०सी.सी.०35 गुड़ा 15 मीटर हॉल का निर्माण करवाया गया है। जी-1 आर०सी०सी० हॉल का निर्माण 6000 वर्गफुट दोनों फ्लोर पर इसके साथ ही वकीलो की बैठक व्यवस्था का हेरिटेज की अवधारणा पर जीर्णोद्वार एवं सौन्दर्यकरण कार्य करवाया गया है। अभिभाषक परिसर की छत पर वॉटरप्रूइंग का कार्य करवाया गया है।

नई सड़क से क्षेत्रवासियों का आवागमन हुआ सुगम:- कोटा को मिल रही विभिन्न विकास कार्यों की सौगात की श्रृंखला में कुन्हाड़ी छोटी पुलिया से चम्बल नदी के सहारे बापू नगर आवासीय योजना (बीड़ के बालाजी) तक रिटेनिंग वॉल व सी.सी.सड़क का निमार्ण कार्य का लोकार्पण बुधवार को मंत्री शांति धारीवाल ने किया। कोटा नगर विकास न्यास द्वारा 3 करोड़ 44 लाख की लागत से किये गए सड़क के निर्माण से समस्त बापू बस्ती एवं बालिता रोड़ के निवासियों को बालिता रोड़ पर आये दिन सब्जीमंडी में ट्रैफिक जाम से निजात मिल गई यातायात सुगमता हो गई है। छोटी पुलिया से बीड़ बालाजी तक रोड़ के दोनों ओर दीवार का निर्माण कर 2-लेन सी.सी. रोड़ मय फुटपाथ का निर्माण किया गया है। दीवार एवं सी.सी. रोड़ की कुल लम्बाई लगभग 400 मीटर है।

बापू नगर को मिली सामुदायिक भवन सौगात:- कुन्हाड़ी बापू नगर एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को सामाजिक एवं विभिन्न आयोजनों के लिए अब सामुदायिक भवन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी बुधवार को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने नगर विकास न्यास द्वारा 3 करोड़ 66 लाख की लागत से विकसित किए गए सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर क्षेत्र वासियों को समर्पित किया। सामुदायिक भवन में विशाल हाल के साथ कमरे जन- सुविधाएं, आयोजन के लिए विशाल लोन विकसित किया गया है जिसकी सुविधा का लाभ अब क्षेत्र वासियों को मिल सकेगा।

यह रहे उपस्थित:- विकास कार्यों के लोकार्पण के दौरान पीसीसी महासचिव अमित धारीवाल महापौर मंजू मेहरा उप महापौर सोनू कुरैशी, ब्लॉक अध्यक्ष नेवालाल गुर्जर न्यास ओएसडी आरडी मीणा, सचिन मानसिंह मीणा, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य संगीता सक्सेना सहित कांग्रेस पार्षद, कांग्रेस कार्यकर्ता न्यासा अधिकारी उपस्थित रहे।

गांधी दर्शन कुंभ में गांधीवादी विचारकों का समागम हुआ

■ गांधी के विचारों के सतत् प्रसारण का आव्हान

कोटा,(निसं.)। शांति एवं अहिंसा निदेशालय के तत्वावधान में बुधवार को गांधी दर्शन कुंभ कार्यक्रम का आयोजन बूंदी रोड स्थित एक रिसोर्ट में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से गांधीवादी विचारकों का एकत्रीकरण हुआ।

शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा ने आव्हान किया कि गांधी जी के दर्शन और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का जो बीड़ा उठाया है, वह गांधीवादी विचारकों और प्रेरकों के माध्यम से सतत् व्यापक रहे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गांधी दर्शन को समर्पित शांति एवं अहिंसा निदेशालय की पहल देश में अनूठी है। गांधी दर्शन पर आधारित जन कल्याणकारी योजनाओं से प्रदेशवासी लाभान्वित हो रहे हैं।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए खादी बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं गांधी दर्शन समिति के संयोजक पंकज मेहता ने गांधी के सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर आजादी की लड़ाई लड़ी और देश को आजाद कराया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सिद्धान्त वर्तमान दौर में भी जहां हिंसा और असत्य जैसी प्रवृत्तियों का बोलबाला है, अधिक प्रासंगिक हैं।

उन्होंने संभागीयों से गांधी दर्शन को आत्मसात् कर उनके संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश को सबसे ज्यादा जरूरत शांति और अहिंसा की है।

भारत को विदेशों में गांधी के देश के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन पर आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से गांधी दर्शन का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ एवं गांधी के विचार जन-जन तक पहुंचेंगे।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सीईओ जिला परिषद ममता तिवाड़ी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि गांधी दर्शन पर आधारित इन आयोजनों में एक परिवार जैसा वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने कहा कि शांति अहिंसा निदेशालय के तत्वावधान में गांधी जी के दर्शन को प्रसारित करने का अभूत पूर्व कार्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि शांति का वातावरण बनाने का कार्य एक दिन का नहीं बल्कि सतत् प्रक्रिया है। इस अवसर पर वरिष्ठ गांधीवादी चितंक एवं विचारक नरेश विजयवर्गीय, गांधी जीवन दर्शन समिति के सह संयोजक संदीप दिवाकर सहित विभिन्न जिलों से आये गणमान्यजनों ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन पुरूषोत्तम शर्मा ने किया।

विश्व पर्यटन दिवस पर विविध आयोजन हुए

कोटा, (निसं.)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग, हाड़ोती हैरिटेज वॉक, हम लोग, तथा एआरएन ग्रुप ऑफ होटल्स के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को नांता महल में हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्ति तथा पर्यटन ट्रेड से जुडे संस्थान के सदस्यों ने भाग लिया।

हैरिटेज वॉक में नांता महल के प्राचीनतम इतिहास की वरिष्ठ इतिहासकार फिरोज अहमद तथा इन्टेक सहसंयोजक बहादुर सिंह ने जानकारी दी। हैरिटेज वॉक के पश्चात् कीर्तशम ग्रुप के रवीन्द्र श्रीवास्तव दल द्वारा मतदान जागरूकता पर लघु नाटक का मचंन तथा मतदान के महत्व की जानकारी दी। साथ ही स्कूल के छात्र-छात्राओ एवं पर्यटन ट्रेड से जुडे लोगों ने नांता महल स्कूल परिसर में पौधारोपण किया। जिसमें शहर के प्रबुधजन, होटल व्यवसायी तथा नांता सीनियर सेकण्डरी स्कूल के छात्र-छात्रा तथा एलबीएस होटल मैनेजमेंट कॉलेज के छात्र भी मौजूद रहे।

इसके उपरांत मांगरोल से आये लोक कलाकार दल मांगीलाल द्वारा स्वर मधुर प्रस्तुतियों से लोक कला गायन की प्रस्तुति दी। कार्यालय पर्यटक स्वागत केन्द्र में विदेशी पर्यटकों का स्वागत किया तथा विदेशी पर्यटकों द्वारा पौधारोपण किया। इसी क्रम में राव माधोसिंह म्यूजियम ट्रस्ट द्वारा तथा एआरएन ग्रुप ऑफ होटल द्वारा पौधारोपण किया गया। बेण्ड स्टेंड स्टेडियम के सामने पर्यटन विभाग, हाडौती हैरिटेज वॉक, हमलोग, एआरएन होटल द्वारा प्राचीन बेण्ड स्टेंड स्थल नयापुरा की साफ-सफाई कर बूंदी जिले के ठीकरदा गांव से आये मशक बेण्ड के कलाकार दलों ने आकर्षक प्रस्तुति दी।

उम्मेद क्लब में विश्व पर्यटन दिवस की थीम टूरिज्म एंड ग्रीन इन्वेस्टमेंट पर संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें उपनिदेशक पर्यटन विकास पंड्या द्वारा थीम के महत्व पर प्रकाश डाला तथा एलबीएस होटल मैनेजमेंट कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा भी संवाद प्रस्तुत किये। हाडौती हेरिटेज वॉक सर्वेश सिंह हाडा ने महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय के जीवन परिचय तथा उनके शासनकाल में कराये गये विकास कार्यों पर जानकारी दी।

पितृपक्ष में देवशिव महापुराण कथा एक से

कोटा, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक कुबेरेश्वर धाम के पं. प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से कोटा में 1 से 5 अक्टूबर तक पितृ पक्ष में देवशिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। कार्यक्रम संयोजक कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने बताया कि शिव महापुराण कथा का आयोजन दशहरा मैदान में प्रतिदिन 2 से 5 बजे तक किया जाएगा। कथा से पूर्व 30 सितंबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो श्रीनाथपुरम स्टेडियम से प्रारंभ होकर तीन बत्ती सर्किल, छोटा चौराहा, दादाबाड़ी बड़ा चौराहा से होते हुए कथा स्थल दशहरा मैदान स्थित विजय श्री रंगमंच पर पहुंचेगी। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर कलश लेकर चलेंगी। वहीं मधुर स्वर लहरियां बिखरते बैंड भी साथ रहेंगे। विधायक संदीप शर्मा ने बताया कि कथा के लिए 3 लाख वर्ग फीट का वाटरप्रूफ पांडाल तैयार किया जा रहा है। इसमें एक लाख से अधिक सनातन धर्मप्रेमी कथा श्रवण कर सकेंगे। इसके अलावा दशहरा मैदान में पुराना पशु मेला स्थल समेत शहरभर में प्रमुख पार्कों और बड़े मंदिरों पर भी एलईडी की व्यवस्था की जा रही है। जहां आमजन कथा सुन सकेंगे।

दीगोद थानेदार ने स्थानीय सरपंच से बदसलूकी की

कोटा, (निसं)। दीगोद कस्बे में एकादशी के दिन निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान दीगोद थानाधिकारी ने स्थानीय सरपंच कपिल मीणा के साथ बदसलुकी कर, जाति सूचक शब्द से अपमानिम करते हुए मारपीट पर उतारू हो गये।

घटना से दुखी होकर सरपंच संघ के पदाधिकारी एवं दीगोद के व्यापारी थानाधिकारी के दुर्व्यवहार को लेकर पूर्व विधायक हीरालाल नागर के नैतृत्व में पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण से मुलाकात की एवं दोषी अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग की। पूर्व विधायक नागर ने बताया कि दीगोद में डोल ग्यारस के दिन हिन्दू समाज के लोग देव विमान को साथ लेकर तालाब में स्नान कराने ले जा रहे थे, रास्ते में आते समय ट्रेफिक की अव्यवस्था होने के कारण स्थानीय सरपंच कपिल मीणा ने इतना ही कहा था कि ट्रेफिक व्यवस्था को थोड़ा ठीक करवा दो, इतना कहना थानेदार को बुरा लग गया और सरपंच के साथ गाली-गल यही नहीं जुलूस पर थानेदार द्वारा लाठियां भी फटकारी गयी। नागर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक से मिलने के दौरान आश्वासन दिया कि व्यक्तिगत स्तर पर प्रकरण की जांच करा कर घटना की सत्यता का पता लगाया जाएगा एवं 24 घण्टे में उक्त अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर सरपंच संघ के अध्यक्ष घनश्याम यादव, भाजपा कोटा देहात जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, कांग्रेस नेता हरीप्रकाश शर्मा, दीगोद मण्डल अध्यक्ष सरोज यादव, पंचायत समिति सदस्य जगदीश मेघवाल, मण्डल महामंत्री गिरीश शर्मा, सीताराम धाकड डूंगरज्या, गोविन्द नागर दीगोद, पीयूष व्यास दीगोद सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'आर्य समाज सेवा व सामाजिक जागरूकता के कार्य में अग्रणी है'

■ आर्य समाज कोटा की स्मारिका 'इदन्न मम' का विमोचन

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सानिध्य में आर्य समाज कोटा की स्मारिका इदन्न मम का कोटा में हुआ विमोचन।

इस बारे आर्य उप प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के मीडिया प्रभारी आचार्य अग्निमित्र शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती के 200वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आर्य उप प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग द्वारा विगत दशक में किए गए समाज सेवा व जागरूकता के कार्यक्रमों से आमजन को अवगत कराने के लिए आर्य समाज द्वारा प्रकाशित स्मारिका इदन्न मम का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सानिध्य में कोटा स्थित कैंप कार्यालय में विमोचन किया।

शास्त्री ने बताया कि इस अवसर पर आर्य उपप्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के प्रधान अर्जुन देव चड्ढा के नेतृत्व में महामंत्री अरविंद पांडेय, कोषाध्यक्ष राधावल्लभ राठौर, वरिष्ठ मंत्री एडवोकेट चंद्रमोहन कुशवाहा, मंत्री लालचंद आर्य युवा मंत्री किशन आर्य हरियाणा उप प्रधान रामनारायण कुशवाहा ने कोटा स्थित कैंप कार्यालय पहुंच शिष्टाचार भेंट की। व लोकसभा अध्यक्ष का वैदिक मंत्रोच्चार पूर्वक राजस्थानी साफा, गायत्री मंत्र से सुसज्जित केसरिया पटका पहनाकर तथा सभा का स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। स्मारिका विमोचन के इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आर्य समाज सेवा व जागरूकता के कार्यक्रमों में हमेशा अग्रणी रहा हैं।

स्मारिका में प्रकाशित लेखों के माध्यम से आमजन को महर्षि दयानंद सरस्वती के द्वारा वेद, वैदिक जीवन दर्शन और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की जानकारी मिलेगी। साथ ही अन्य लोग भी समाज सेवा के लिए प्रेरित होंगे। बिरला ने कहा कोरोना कल में आर्य समाज के सदस्यों ने द्वारा यज्ञ रथ यात्रा निकालकर पर्यावरण शुद्धि व कोरोना रोगाणुओं को नष्ट करने तथा लोगों में आत्मविश्वास जागृत करने का कार्य किया गया।

इसके साथ ही अपने विभिन्न सेवा कार्यों से आर्य समाज ने लोगों की बहुत सहायता की। स्मारिका के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सभा के महामंत्री अरविंद पांडेय ने बताया कि स्मारिका में आर्य समाज कोटा द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले समाजसेवा, जन जागरूकता, अंधविश्वास निराकरण, महिला सशक्तिकरण, संस्कृति संरक्षण, रक्तदान, बाल-विवाह निषेध, संबंधित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई हैं। इसके साथ ही आर्य समाज द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान घर-घर यज्ञ-हर घर-यज्ञ, पर्यावरण संरक्षण के कार्य, वृक्षारोपण, परिण्डे बांधना, लोगों के स्वास्थ्य के लिए चलाए गए योग शिविर, आत्मरक्षा शिविर तथा औषधीय काढ़ा वितरण आदि के बारे में वर्णन किया गया है।

पांडेय ने बताया कि इसके साथ ही स्मारिका में महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज स्थापना के पीछे जो उद्देश्य थे उनके बारे में ज्ञानवर्धक लेख भी प्रकाशित किए गए हैं। सभा प्रधान अर्जुन देव चड्ढा ने पिछले दिनों आर्य समाज कोटा के सदस्यों के दल का राष्ट्रपति भवन भ्रमण व संसद भ्रमण, भोजन व विश्राम की व्यवस्था करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार व्यक्त किया।

नाम परिवर्तन

मेरा नाम रुपचंद (Rupchand) पुत्र श्री हरलाल है। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम रुप चन्द मेहता (Rup Chand Mehta) अंकित है। वास्तव में मेरा नाम (Rupchand) है। अतः भविष्य में मुझे (Rupchand) के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मेरे पक्षकार श्री मोहनलाल कोटवानी पुत्र श्री गोविन्द राम आयु-60 साल जाति-सिंधी निवासी-42 झूले लाल मंदिर के पीछे, सिंधी कोलोनी कोटा राज. जिनका पुत्र विक्की कोटवानी पुत्र श्री मोहनलाल कोटवानी आयु-36 साल तथा उसकी पत्नी सपना उर्फ परी कोटवानी जो कि आयेदिन मेरे पक्षकार के साथ बद्तमिजी लड़ाई झगडा करके शारिरीक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है तथा आयेदिन परेशान करता है अन्य प्रकार के नशे करता है इस कारण मेरे पक्षकार ने उनके पुत्र विक्की कोटवानी एवं उसकी पत्नी सपना उर्फ परी कोटवानी तथा उसके वारिसान को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करके अपने संबंध मे समाप्त कर लिये तथा मेरे पक्षकार का पुत्र विक्की कोटवानी एवं उसकी पत्नी सपना उर्फ परी कोटवानी या उनके कोई वारिसान से किसी प्रकार का कोई संबंध नही रहा है। यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे पक्षकार के पुत्र विक्की कोटवानी एवं उसकी पत्नी सपना उर्फ परी कोटवानी से किसी प्रकार का कोई लेन-देन संव्यवहार आदि करता है या विक्की कोटवानी एवं उसकी पत्नी सपना उर्फ परी कोटवानी के द्वारा किसी भी प्रकार का अवैधानिक कृत्य किया जाता है तो उसके लिये मेरा पक्षकार जिम्मेदार नही होगा। कृपया सूचित हो-सूचित हो।

कोटा
दिनांक-27.9.23

भवदीय
अब्दुल सलीम, एडवोकेट
मो. 9929477887

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति मकान नम्बर 157 (कॉर्नर) जिसकी पैमाइश 1350.35 वर्गफुट वाके सिंधी कालोनी गुमानपुरा कोटा (राज.) में स्थित है, उक्त सम्पत्ति को नगर परिषद कोटा से श्री आनंद कुमार को जरिये रजिस्टर्ड पट्टा विलेख दिनांक 02.03.1991 जिसका पंजीयन दिनांक 08.03.1991 को प्राप्त हुई थी, तत्पश्चात श्री आनंद कुमार का स्वर्गवास दिनांक 06.07.2022 हो गया है, तत्पश्चात आनंद कुमार के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक वारिसान श्रीमती मोहिनी देवी, श्रीमती दिव्या सुमानी एवं श्रीमती आशना बन्टी अहूजा ने जरिये हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) दिनांक 21.07.2023 को श्री मनीष कुमार के पक्ष में कर दिया, जिस बाबत मेरे अभिभाष्य श्री मनीष कुमार वित्तीय संस्था PNB Housing Finance Ltd. से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालीकाना हक स्वामित्व, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक: 26.09.2023

For: SRM PARTNERS
Add. 127 Santwani Sadan
Ballabh Bari Kota
Mob. 7737426847

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग-निविदा सूचना

DRM's Office, Kota दिनांक 23.09.2023

भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे कोटा मंडल निम्न कार्य CG/450/CA/Freight Wagon (BCN)/06/2023 दिनांक 23.09.2023 के लिए निविदा आमंत्रित करते है। निविदा खुलने की तारीख 16.10.2023 एवं समय 15.30 बजे निर्धारित है। निविदा संख्या-CG/450/CA/ Freight Wagon (BCN)/06/2023 दिनांक 23.09.2023, **कार्य का नाम**-पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के कोटा यार्ड में किसी भी प्रकार के बीसीएन वैगनों (पीओएच) पर वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध। **कार्य की अनुमानित आय प्रति वैगन**-रूपये-10,000/-, **बयाना राशि**-5,09,800/-, **निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तारीख व समय**-16.10.2023 को 15:00 बजे (ऑनलाईन माध्यम से)। इस निविदा की पूर्ण जानकारी व दस्तावेज www.wcr.indianrailways.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल/ कोटा

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक: LU2012/KOT/2023-24/100612 **लोक सूचना** दि.27.09.2023

श्री M/S OWAIS CONSTRUCTION COMPANY PVT. LTD. KOTA (RAJ.) JARIYE DIR. SH. MOHAMMED RIYAZ SHEIKH पुत्र श्री LATE MOHAMMED RAMZAN जाति MUSLIM निवासी H.NO.-9 SHAKTI VIHAR BORKHRDE ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हेक्टे.)
1.	रंग तालाब उर्फ काला तालाब, लाडपुरा (कोटा)	RAM KALYAN S/O LAXMI NARAYAN MALI SA. KALATALAB KHATEDAR	724/415	10000	1
				कुल	1

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 27/09/2023 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, कोटा**

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

जाहिर आम सूचना

क्रमांक 2123 दिनांक 1.9.2023

आवास संख्या 4-ए-6 महावीर नगर तृतीय, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री जय प्रकाश ओरा पुत्र स्व.श्री कृष्ण लाल ओरा को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री जय प्रकाश ओरा पुत्र स्व. श्री कृष्ण लाल ओरा द्वारा दिनांक 20.03.1993 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरान्त श्री जय प्रकाश ओरा पुत्र स्व. श्री कृष्ण लाल ओरा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 29.10.2012 को श्री अनुराग बसंल पुत्र श्री राम गोपाल बसंल को किया गया। श्री अनुराग बसंल पुत्र श्री राम गोपाल बसंल का नाम दिनांक 22.04.2013 को मण्डल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री अनुराग बसंल पुत्र श्री राम गोपाल बसंल द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 27.10.2021 को श्री ललित कुमार पुत्र श्री मोहन लाल एवं श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल को संयुक्त रूप से किया गया। श्री ललित कुमार पुत्र श्री मोहन लाल एवं श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में अपना नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास को विक्रय पत्र के आधार पर श्री ललित कुमार पुत्र श्री मोहन लाल एवं श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल के नाम मण्डल अभिलेख में संयुक्त रूप से दर्ज करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री ललित कुमार पुत्र श्री मोहन लाल एवं श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल का नाम संयुक्त रूप से दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नही है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री ललित कुमार पुत्र श्री मोहन लाल एवं श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल के नाम मण्डल अभिलेख में संयुक्त रूप से दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय जिला क्षय निवारण केन्द्र कोटा (राजस्थान)

एम.बी.एस. केम्पस नयापुरा कोटा-324001 दूरभाष :0744-2320626

E-Mail ID : dtorjkta@rntcp.org

क्रमांक: एनटीईपी/लेखा/2023/539 दिनांक:-26.09.2023

Notice Inviting Bids NIB No 2023-24/02
UBN No. - MHS2324GSRC03955

Open tender Bidders are invited upto 06.10.2023 Time 03:00 PM for TB Consumeable & Regent item 2023-24 at District TB Clinic MBS campus Nayapura Kota Rajasthan. Total Estimated cost of tender 9.50 Lakh. Details may be seen & downloaded in the Bidding Document at the Website https://sppp.rajasthan.gov.in or at site (office District TB Clinic) Kota in working days.

Member Secretary
DHS (TB) Kota

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

जाहिर आम सूचना

क्रमांक 2457 दिनांक - 27.9.23

आवास संख्या 3-ए-50 महावीर नगर तृतीय कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती कला देवी पत्नी श्री प्रभुलाल अग्रवाल को किया गया। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती गंगा बाई पत्नी श्री नन्द किशोर के नाम दिनांक 20.05.2009 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती गंगा बाई पत्नी श्री नन्द किशोर द्वारा दिनांक 25.06.2009 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती गंगा बाई पत्नी श्री नन्द किशोर की मृत्यु दिनांक 10.03.2021 को हो चुकी है। श्रीमती गंगा बाई पत्नी श्री नन्द किशोर द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त आवास की वसीयत अपने पति श्री नन्दकिशोर शर्मा पुत्र श्री राम गोपाल के नाम दिनांक 12.12.2020 को आलेखित की गई। श्री नन्दकिशोर शर्मा पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयत के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का श्री नन्दकिशोर शर्मा पुत्र श्री राम गोपाल के नाम वसीयत के आधार पर हस्तांतरण/प्रतिस्थापन करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का वसीयत के आधार पर श्री नन्दकिशोर शर्मा पुत्र श्री राम गोपाल के नाम हस्तांतरण/प्रतिस्थापन किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के वसीयत के आधार पर श्री नन्दकिशोर शर्मा पुत्र श्री राम गोपाल के नाम हस्तांतरण/प्रतिस्थापन दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-643 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-22.9.2023

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखण्ड/आवास संख्या 445 केशवपुरा-7 योजना में आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 13.12.1983 को श्री नवरंग लाल वर्मा पुत्र श्री हनुमान प्रसाद के नाम से आवंटन किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री मनराज गुप्ता पुत्र श्री छोटे लाल जी के द्वारा जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 08.05.2003 को श्री श्याम बिहारी अग्रवाल पुत्र श्री हरि बल्लभ जी को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास अपने नाम नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 445 योजना सेक्टर-7 का नाम हस्तान्तरण श्री श्याम बिहारी अग्रवाल पुत्र श्री हरि बल्लभ जी के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-1701 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-27.9.2023

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखण्ड/आवास संख्या 55 ews रंग बिहार आवासीय योजना में आवंटन/नीलामी न्यास के पत्र दिनांक 26.08.1989 को श्रीमती शकीला बैगम पत्नि स्व. श्री अब्दुल अजीज के नाम से विक्रय/आवंटन किया गया था। आवंटी श्रीमती शकीला बैगम पत्नि स्व. श्री अब्दुल अजीज द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री अशोक कुमार सोनी पुत्र श्री शिवचरण लाल सोनी द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 08.09.2008 को श्रीमती उर्मिला बाई पत्नि श्री कन्हैया लाल राठौर को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 55 ews योजना रंग बिहार आवासीय का नाम हस्तान्तरण श्रीमती उर्मिला बाई पत्नि श्री कन्हैया लाल राठौर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

चोरी व नकबजनी की अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा, पांच गिरफ्तार

बदमाशों ने पूछताछ में चोरी की 106 वारदातें कबूली

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान चोरी नकबजनी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा करते हुए पांच जनों को गिरफ्तार किया। वहीं इनके कब्जे से चोरी किया तांबा व स्क्रैप जब्त किया है। बदमाशों ने मकानों, फैक्ट्रियों, ट्रांसफार्मरों, स्क्रेप चोरी की 106 वारदातें कबूली है।

जिला पुलिस अधीक्षक भूवनभूषण यादव ने बतायाकि शहर के बाहरी क्षैत्रो में चोरी व नकबजनी की बढ़ती वारदातें पर अंकुल लगाने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीतसिंह, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत, देवेन्द्रसिंह उप निरीक्षक प्रभारी डीएसटी के नेतृत्व में गठित दल ने किए गए तकनीकी अनुसंधान के दौरान विद्युत ट्रांसफार्मरों, सूने मकानों से, स्टील व स्क्रेप गोदामों से चोरी करने वाली गैंग के बदमाश माल बेचने के लिए पिकअप वाहन में लेकर डबोक से उदयपुर आने की सूचना मिली।

■ 25 ट्रांसफामरों से चोरी किया तांबा व 1200 किलो स्क्रेप जब्त

इस पर पुलिस दल ने नाकाबंदी कर वाहन को रोक उसमें सवार पांच व्यक्ति से पूछताछ की तो अपने नाम रोशनलाल पुत्र सुरजमल गुर्जर निवासी बखता का खेड़ा आसींद भीलवाड़ा, प्रेमलाल पुत्र गेहरीलाल कीर निवासी ज्योति भवन के पीछे डबोक, फतहसिंह पुत्र भंवरलाल राजपुत निवासी मेडता कालीमगरी डबोक, शांतिलाल पुत्र भंवरलाल कालबेलिया निवासी भमरासिया थाना डबोक तथा सोहननाथ चौहान पुत्र जीवननाथ चौहान निवासी काजियावास नाथद्वारा राजसमन्द होना बताया।

वाहन की तलाशी में प्लास्टिक के तीन कट्टों में तांबे का स्क्रेप भरा पड़ा था। इस संबंध में पूछताछ करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। सख्ती से की गई पूछताछ में सभी ने उदयपुर, राजसमन्द, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ में अलग अलग स्थानो से ट्रांसफार्मरों से कॉपर चोरी, अलग अलग लोहे के कबाड गोदामों तथा मकानों के ताले तोड़ वारदातें करना स्वीकार किया।

आरोपियों के साथी अर्जुन सिंह व अर्जुन कीर फरार है जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने पिकअप वाहन व चोरी किया माल जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में फरार अर्जुनसिंह व अर्जुन कीर का गुजरात से जुड़े है। पुलिस विभिन्न थानों मे दर्ज प्रकरणों तथा आरोपियों के बताए अनुसार मौका तस्दीक करने में जुटी है। आरोपियों ने उदयपुर, जिला, चित्तोड़गढ़, राजसमन्द तथा भीलवाड़ा में अलग अलग स्थानो से करीब 80 डीपी से कॉपर चोरी, 20 मकानों के ताले तोड़ कर सोने चांदी के आभूषण व नकदी चोरी, 15 कबाड के गोदामों से स्क्रेप चोरी करना स्वीकार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दिन में रैकी कर रात में सूने मकानों, गोदामों के ताले तोड़ कर वारदात करते थे। अर्जुनसिंह व सोहन सिंह लकड़ी से रस्सी बांध कर डीपी के तारों पर फैंक कर शॉर्ट सर्किट करवा कर लाइट बंद हो जाती। कुछ ही समय में में डीपी नीचे गिरा का कॉपर चुरा ले जाते जो अलग-अलग जगहों पर शांतिलाल के घर के पीछे बाड़े में इकठ्ठा करते तथा समय अनुसार बेच दिया करते थे।

अज्ञात की हत्या की वारदात का खुलासा, एक गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। तारागढ़ पहाड़ी के रास्ते पर जघन्य अज्ञात हत्या की वारदात का जिला पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि मंगलवार को तारागढ़ जाने वाले रास्ते के पास अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में डालकर पहाड़ियों में फेंकने की घटना सामने आई थी। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए गठित की गई टीम द्वारा मौके पर डॉग स्कॉयड द्वारा मौके पर बिखरे खून के धब्बों से डॉग स्कॉयड के डॉग द्वारा बार-बार पास ही बनी झुग्गी झोपड़ी की तरफ बैठा मोहम्मद जावीर की तरफ जाना व उसके पास जाकर रुक जाना व संदिग्ध को बार बार सूंघने से शंका होने पर मोहम्मद जावीर को दस्तयाब कर गहनता से पूछताछ कर अनुसंधान किया गया। जिससे पूछताछ के दौरान रविवार की मध्य रात्री के समय आपस में कहा सुनी को लेकर गाली गलोच करने पर मृतक इस्लाम उर्फ इम्तेयाज को पास ही बनी दुकान की चबुतरी की पट्टी से दे

■ तारागढ़ जाने वाले रास्ते के पास अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में डालकर पहाड़ियों में फेंकने की घटना सामने आई थी

मारा व गला दबाकर मार दिया।

तत्पश्चात आरोपी व उसका दूसरा साथी एक बाबा दोनों ने मिलकर मृतक की पत्थरों से मारपीट कर हत्या कर मृतक की लाश को दो प्लास्टिक के कट्टों में बांधकर तारागढ़ के रास्ते से पहाड़ी की ढलान में झाड़ियों में नीचे की तरफ फेंक दिया। धानास्तर पर गठित टीमों ने मृतक की पहचान के लिये आस पास के हजारों लोगों झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालो को फोटो दिखाकर व मृतक की बनी झुग्गी झोपड़ी में मिले कागजात व दस्तावेजों से मृतक इस्लाम उर्फ इम्तेयाज पुत्र अब्दुल सतार निवासी सिपाह इब्राहिमाबाद मज उत्तरप्रदेश के रूप में पहचान हुई है जिसके वारिशान से सम्पर्क किया जा रहा है, मृतक के वारिसान आने पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

“यूथ चला बूथ” में उत्कर्ष निभाएगा भागीदारी

विद्यार्थियों को बताए जाएंगे मतदान के महत्व

जोधपुर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा युवाओं में मतदान करने को लेकर चलाए जा रहे महत्वाकाँक्षी जागरूकता अभियान- 2024 में उत्कर्ष क्लासेस अपनी भागीदारी निभाएगा। “यूथ चला बूथ” में उत्कर्ष भागीदारी निभाएगा।

डॉ. निर्मल गहलोत

इसके अंतर्गत आज शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में संस्था के गुरुजनों व प्रेरक वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को मतदान करने के लिए जागरूक किया जाएगा। उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि मतदान करना देश के प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है बल्कि कर्तव्य भी है।

ऐसे में बतौर जिम्मेदार नागरिक देश के सभी युवाओं को मतदान करने के अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ मतदान के महत्व को भी समझने की जरूरत है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए इस जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी निभाते हुए संस्था ने विद्यार्थियों के लिए इस जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित करने का निर्णय लिया है।

निर्माणाधीन भवन से सामान चोरी

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस थाना क्षेत्र स्थित प्रगति नगर कोटडा अजमेर में निर्माणाधीन भवन से अज्ञात चोरों ने करीब डेढ लाख रूपए का सामान चुराकर फरार हो गए। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने मकान मालिक वासुदेव त्रिपाठी की शिकायत पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। वासुदेव त्रिपाठी ने बताया कि उनके नए मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। सुबह जाकर देखा तो यहां से दस एसी की केबल, डायबेटर, नल के सामान चुराकर ले गए। जिनकी अनुमानित करीब डेढ लाख तक थी। इसी प्रकार सिविल लाइंस पुलिस थाना क्षेत्र स्थित नाचन बावडी महेन्द्र नाथ की झोपडी में बीती रात अज्ञात चोरों ने प्रवेश किया ओर लोहे के एक बक्सें को उठाकर दूर ले जाकर उसमें रखे सोने व चांदी के जेवर सहित साढे सात हजार रूपए की नगदी, मोबाइल फोन ओर अन्य सामान चोरी करके ले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने के लिए यज्ञ

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आज आर के कॉलोनी, स्थित तालाब की पाल पर चामुंडा माता मंदिर पर सदबुद्धि महायज्ञ किया।

जिले में बजरी का ठेका नहीं होने के बावजूद भी खनिज विभाग पूर्व के ठेकेदारों की मदद से अवैध खनन भारी मात्रा में करवा रहे हैं, खनिज विभाग द्वारा बजरी एवं खनन माफिया से मिलकर हमेशा करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान किया जा रहा है, खनिज विभाग में प्रशासन की मिलीभगत से अवैध बजरी दोहन परिवहन से राजस्व को नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है यह सब संबंधित विभाग की मिली भगत से हो रहा है। नदियों की वास्तविक स्थिति को बिना ठेके के खनन करना कानूनी अपराध है परंतु खनिज विभाग के अनदेखी से फर्जी टोकन सिस्टम के कारण माफिया करोड़ों की वसूली

प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सदबुद्धि महायज्ञ किया।

परिवहन करने वाले उपभोक्ताओं व वाहन वालों से कर रहे हैं। खनिज विभाग के रसीद के बिना हजारों ट्रैक्टर, डंपर, ट्राले खनन कर अवैध परिवहन कर रहे हैं परंतु प्रशासन व विभाग आंखें बंद करके देख रहा है।

अवैध बजरी परिवहन व दोहन को रोकने की मांग को लेकर आज आर.के. कॉलोनी नेहरू गार्डन के पास चामुंडा माता मंदिर पर नागरिक अधिकार मोर्चा के संयोजक महेंद्र श्रोत्रिय के नेतृत्व में मंत्री अमन शर्मा, उपाध्यक्ष विश्वनाथ गर्ग, सचिव अंकित शर्मा, विजेंद्र सिंह राठौड़, अनिकेत पारीक श्रीनिवास, जगदीश ओझा, अक्षय शर्मा, जगदीश बाहेती, शिवकुमार शर्मा, प्रेम सिंह, माधु रैगर, भैरूलाल जाट, विकास यादव, अंजली शर्मा, मनोज श्रोत्रिय, राजु शर्मा, सुधाकर शर्मा, योगेश विजयवर्गीय, पंकज दाधिच, राजेश शर्मा, शुभम नराणिया, शीतल शर्मा, वंदना, सीमा सहित सभी ने चामुंडा माता मंदिर पर इकट्ठे होकर सद्बुद्धि महायज्ञ किया और खनिज विभाग व प्रशासन को नींद से जगाने के लिए भगवान से प्रार्थना की सद्बुद्धि यज्ञ किया। खनिज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इस पारदर्शी सरकार को बदनाम व राजस्व नुकसान करने में लगे हुए इसके लिए संभागीय आयुक्त उदयपुर व राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव को आमजन द्वारा सैंकड़ों हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन दिया जाएगा तथा आगामी दिनों में रणनीति तैयार कर भीलवाड़ा से जयपुर तक पैदल मार्च किया जाएगा।

रानीवाड़ा में 42वें दिन धरना रहा जारी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। रानीवाड़ा सघर्ष समिति की ओर से ल रहे अनिश्चितकालीन धरने के 42वें दिन वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ काशी के विद्वान पंडित सतीश पांडे की देखरेख में गायत्री यज्ञ का आयोजन

■ धरनार्थियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर कहा कि रानीवाड़ा को भीनमाल जिला बनाकर उसमें जोड़ा जाए या जालोर जिले मे यथावत रखा जाए

रानीवाड़ा सघर्ष समिति की ओर से ल रहे अनिश्चितकालीन धरने के 42वें दिन वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ गायत्री यज्ञ का आयोजन कर हवन में आहुतियां दी गई।

कर हवन में आहुतियां दी गई। इस मौके पर मुख्य यजमान धरनार्थी मुकेश कुमार खण्डेलवाल और रमेश पुरोहित डूंगरी, सोमाराम चौधरी, शेरदान चारण, मसरु देवासी सहित दर्जनों धरनार्थियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर गायत्री माता से प्रार्थना कर संकल्प छोड़ते हुए कहा कि रानीवाड़ा को भीनमाल जिला बनाकर उसमें जोडा जाए या जालोर जिले मे यथावत् रखा जाए।

धरने के 42वें दिन मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की गई कि सांचोर का क्षेत्रफल अधिक है जालोर जिले का क्षेत्रफल कम है इसलिए क्षेत्रफल की दृष्टि से भी रानीवाड़ा क्षेत्र को जालोर, भीनमाल में सम्मिलित किया जाना जनहित में आवश्यक है क्योंकि जो छोटा होगा वहां विकास के अवसर अधिक होगे। साथ ही प्रशासन भी प्रभावी ढ्ग से कार्य करेगा। आमजन की भी प्रशासन के प्रति पहुँच सुगम होगी व जनता को त्वरित न्याय मिल पाएगा। इसलिए रानीवाड़ा को सांचोर से हटाया जाकर जालोर में सम्मिलित किया जाना नितांत आवश्यक है।

इस मौके पर भंवरराम माली, जवानाराम आल पाल, रतनाराम देवासी वाडाल, पिंटू कुमार, महेन्द्र माली, सोनाराम चौधरी, नारायण फरसराम माहेश्वरी, छगनसिह देवल, पूर्व सरपंच मैदाराम चौधरी, भंवरलाल गोयल, कृष्ण देवासी वाडाल, मसरु देवासी हर्षवाडा, भीखाराम मेघवाल सहित कई जने मौजूद रहे।

आर.ए.एस. परीक्षा के प्रवेश पत्र आज अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 के प्रवेश-पत्र गुरुवार को आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। परीक्षा में 6 लाख 97 हजार 51 अभ्यर्थी पंजीकृत किए गए हैं। परीक्षा का आयोजन 1 अक्टूबर 2023 को 46 जिलों में बनाए गए 2158 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा।

आयोग सचिव ने कहा कि अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

भाजपा महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा द्वारा बीजेपी महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रुप में दिल्ली लक्ष्मीनगर विधानसभा के विधायक अभय वर्मा रहे। मुख्य वक्ता वर्मा ने सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने इतिहास और संस्कृति की वजह से पूरे विश्व में एक विशेष स्थान रखता है। हमारा यह देश सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य शक्ति आदि में विश्व के बेहतरीन देशों में शामिल है।

वैसे तो आजादी के बाद देश की इन स्थितियों में सुधार की पहल हुई लेकिन हालिया समय में इस क्षेत्रों में पहल तेज हुई है। इसके लिए समाज के मानव संसाधन को लगातार बेहतर, मजबूत व सशक्त किया जा रहा है और समाज की आधी आबादी स्त्रियों की है, इस बाबत उनके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि यदि किसी समाज की प्रगति के बारे में

■ महिला चाहे तो देश की दिशा बदल सकती है : वर्मा

■ महिलाओं के बिना नहीं हो सकता समाज परिवर्तन : भदेल

सही-सही जानना है तो उस समाज की स्त्रियों की स्थिति के बारे में जानो। कोई समाज कितना मजबूत हो सकता है, इसका अंदाजा इस बात से इसलिए लगाया जा सकता है क्योंकि स्त्रियाँ किसी भी समाज की आधी आबादी हैं। बिना इन्हें साथ लिए कोई भी समाज अपनी संपूर्णता में बेहतर नहीं कर सकता है। इस प्रकार आज महिला पूरे समाज की दिशा बदल सकती है।

उन्होने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति का क्षेत्र इतिहास से वर्तमान तक पुरुषों के एकाधिकार का क्षेत्र रहा है। कभी भी इस पर महिलाओं का एकाधिकार स्थापित नहीं हुआ। राजनीति घरेलू चारदिवारी से बाहर निकल समाज को संचालित करने वाली, दिशा देने का कार्य करती है। विश्व के हर कोने में पूरे समाज में राजनीतिक पदों पर पुरुषों को ही देखा गया। लेकिन आज भारत में राजनीति का क्षेत्र हो या उद्योग हो या फिर आज चांद तक पहुचने की बात हो महिला आगे बढ़ चुकी है।

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक राजेश घाटे, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा गोस्वामी, मंजू शर्मा, कृष्णा सुचेता, मनीषा गौड, रीना कुश्वाहा, बीना टांक, सीलम बैरवा, अंजना शेखावत, गीता जांगिड, ज्योति लालवानी, काजल जेठवानी, पुष्पा सिंह, रेनु शर्मा, हेमलता शर्मा, मधु भारद्वाज, भावना चौहान, सावित्री शर्मा, सुनिता पंवार, किरण तुनगरिया, रोशन राठौड, संतोष महेश्वरी, वंदना सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

जेल में बंदियों तक मोबाइल पहुंचाने की कोशिश

अजमेर, (कासं)। प्रदेश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 फीट की दीवार से मोबाइल पार्सल अंदर फेंकने की कोशिश का मामला सामने आया है। मोबाइल मिलने के बाद से जेल में तैनात जवानों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। जेल प्रशासन ने पार्सल पैकेट जब्त कर सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल प्रशासन ने बुधवार को सिविल लाइन थाने में शिकायत देकर बताया कि गोपनीय सूचना प्राप्त हुई की जेल की मुख्य दीवार के पास टावर संख्या एक और पत्थरों के बीच में पार्सल खाकी कलर के टेप से लपेटा हुआ लावारिस पड़ा मिला। सूचना पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और लावारिस पार्सल को उठाकर जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ को सूचना दी गई। खोलकर देखा तो पार्सल में मोबाइल बरामद हुआ है। दीवार और इलेक्ट्रॉनिक तारों से टकराकर पार्सल नीचे गिर गया, जेल प्रशासन की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कारागृह अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने कहा कि कैंपस से मोबाइल बरामद हुआ है। मामले में सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

उपराष्ट्रपति ने क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया

किसान की प्रगति के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान देश का पेट भरता है : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

बीकानेर/गुड़ामालानी, (नि.सं.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बाड़मेर के गुड़ामालानी में क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के प्रयासों से राजस्थान के बाड़मेर में आज इस बाजरा अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया के अंदर मोटे अनाज के बारे में जागरूकता बढ़ाकर वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष घोषित कराया, यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक दशक पहले हम पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाते थे हमारी अर्थव्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई थी और 2022 में दुनिया की पांचवीं सबसे शक्तिशाली आर्थिक महाशक्ति बन गए। आज हमारे देश का किसान तकनीकी रूप से इतना सक्षम हो गया है कि पीएम किसान सम्मन निधि के माध्यम से भेजी जाने वाली राशि किसान सीधे अपने बैंक खाते में प्राप्त कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज जो केंद्र यहां खुल रहा है उसका असर केवल राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश और विदेश पर भी पड़ेगा।

उपराष्ट्रपति ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सभी सांसदों को बाजरे से बने व्यंजन का भोजन कराया। उन्होंने कहा कि सभी लोग भोजन कर रहे थे और कैलाश स्वयं अपने हाथों से भोजन परोस रहे थे। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि बाजरे से बना भोजन बहुत ही स्वादिष्ट भोजन था। शुरू से लेकर आखिरी तक पेय पदार्थ से लेकर मिठाई तक सूप से लेकर सब्जी तक सब कुछ मोटे अनाज का बना था। मैंने मेरी जिंदगी में आज तक इतना श्रेष्ठ भोजन नहीं किया।

उपराष्ट्रपति ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग इतनी तपती हुई धूप में यहां आए हैं, मैं आप सभी को नमन करता हूं और यह भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में हमारा परिचय एक कृषक पुत्र के रूप में कराया था, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उपराष्ट्रपति ने किसानों को संबोधित

गुड़ामालानी में भारतीय बाजरा अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया।

करते हुए कहा कि आप लोग इतनी तपती हुई धूप में यहां आए हैं, मैं आप सभी को नमन करता हूं और यह भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में हमारा परिचय एक कृषक पुत्र के रूप में कराया था, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। किसान के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान वह इंजन है जो राजनीति की गाड़ी को भी चलाता है और देश का पेट भी भरता है। हाल ही संसद में पारित हुए महिला आरक्षण बिल की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं के कल्याण के लिए अभी एक महत्वपूर्ण बिल पास हुआ है इस बिल का पास होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह दिल और दिमाग से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आईसीएआर के सभी कृषि वैज्ञानिकों व स्टॉफ को बधाई देते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा किसान पुत्र राष्ट्रवाद को हमेशा सर्वोपर रखते हैं और देश के विकास में सर्वश्रेष्ठ योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं, हमारा देश एक बदलाव का केंद्र बना है, हमें इस पर गर्व करना चाहिए, यहां से मैं बहुत सी यादें लेकर जा रहा हूं, आपका अन्न मैंने चार साल तक खाया है और आजीवन मैं आपका ही अन्न खाता रहूंगा।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र तोमर (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा), कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, हेमा राम चौधरी मंत्री राजस्थान सरकार, कृषि वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में पधारे सरपंच के साथ-साथ कई लोग और दूर-दूर से आए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

■ बीकानेर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मूंगफली अनुसंधान केन्द्र का लोकार्पण किया

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :- उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को बीकानेर में क्षेत्रीय मूंगफली अनुसंधान केन्द्र का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण के मौके पर बीकानेर सांसद और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुनराम मेघवाल ने भारत की संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उप राष्ट्रपति ने बीकानेर की नमकीन, भुजिया और रसगुल्ले की तारीफ करते हुए मूंगफली ब्रांडिंग की बात कही। उन्होंने कहा कि बीकानेर की मूंगफली की ब्रांडिंग की जायेगी। उप राष्ट्रपति ने जी-20 की अध्यक्षता की सफलता की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने वह करके दिखाया जिसकी कभी किसी ने कल्पना नहीं की थी। भारत ने इतना सफल कार्यक्रम आयोजित किया कि पूरी दुनिया देखकर दंग रह गई है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में दुनियां के नेताओं को मोटे अनाज से बने हुए व्यंजन परोसे गए। उन्होंने कहा कि जी-20 जैसे वैश्विक कार्यक्रमों में मोटे अनाज से बने व्यंजनों का परोसा जाना हर गांव, गरीब और किसान के लिए एक सम्मान की बात है।

इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के प्रशिक्षु गृह का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के बाद उप राष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के अपने शिक्षक जी. एस. आचार्य से बीकानेर में सप्रेम भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया। वे बीकानेर में रह रहे सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के अन्य सदस्यों से भी मिले। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी मूंगफली अनुसंधान संस्थान के संस्थान के महानिदेशक, कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी व अन्य कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में पधारे किसान भाई उपस्थित थे।

खेल जगत

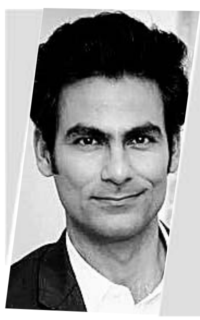

'वह एक महान खिलाड़ी के साथ विनम्र व्यक्ति भी है। हम सभी भाग्यशाली थे कि हमें उसके साथ खेलने का मौका मिला और हमने उससे बहुत कुछ सीखा। वह सभी के लिए एक आदर्श है। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि (महेन्द्र सिंह) धोनी, (विराट) कोहली, रोहित शर्मा और सभी दूसरे खिलाड़ियों उनका नाम लेते हैं।'' **- मोहम्मद कैफ**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सचिन तेंदुलकर के बारे में।

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में अलग ही मूड में नजर आए। राजकोट के मैदान पर 353 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने महज 31 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर ली। हालांकि, रोहित शतक से चूक गए। उन्होंने 57 गेंदों का सामने करने के बाद 81 रन जुटाए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित ने छक्कों की बारिश कर अपना नाम रिकॉर्ड्स बुक में दर्ज करवा लिया है। चलिए, आपको रोहित द्वारा बनाए गए पांच धांसू रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्रा ने चन्द्रा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

टेनिस : रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने युगल में पक्का किया पदक

हांगझाउ, 27 सितंबर। भारत के टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने एशियाई खेल 2023 में पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में चीन के वू यिबिंग और झांग झिझेन की जोड़ी के खिलाफ 6-1, 7-6 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने हांगझोऊ में कम से कम एक कांस्य पदक पक्का कर लिया है। इस मैच में रामनाथन-मायनेनी ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, वहीं चीनी जोड़ी ने दूसरा सेट टाईब्रेकर तक खींचने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने आखिरी गेम 10-8 से जीतते हुए मैच को जीत लिया। रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी सेमीफाइनल में सेओंगचान होंग और सूनवू क्वोन की जोड़ी से भिड़ेंगे, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त शिंजी हजावा और काइतो उएसुगी की जापानी जोड़ी को हराया।

हॉकी इंडिया सब जूनियर में झारखंड, मणिपुर और ओडिशा को मिली जीत

रांची, 27 सितंबर। झारखंड में पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2023 के चौथे दिन बुधवार को झारखंड, मणिपुर और ओडिशा ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में हॉकी झारखंड ने सब जूनियर महिला वर्ग के पूल ए में असम हॉकी को 24-0 के बड़े स्कोर से हराया जबकि दिन के दूसरे मैच में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 8-2 से हराया। तीसरे मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी बंगाल को 12-0 से हराया। सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में दिन के चौथे मैच में हॉकी झारखंड ने असम हॉकी को 10-0 से हराया। दिन के पांचवें मैच में सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 3-0 से हराया। दिन के आखिरी मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में हॉकी बंगाल को 13-0 से हराया।

तमीम इकबाल के बगैर विश्व कप में उतरेगा बांग्लादेश

ढाका, 27 सितंबर। पीठ की चोट से उबर रहे बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज तमीम इकबाल को विश्व कप के लिये चुनी गयी 15-सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी गई है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो के अनुसार तमीम ने दो दिन पहले ही चयनकर्ताओं को अपनी पीठ दर्द के बारे में आगाह किया था और कहा था कि टीम चुनने से पहले वे इसका ध्यान रखें। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने हालांकि इसका कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की बजाय सोशल मीडिया पर टीम चयन की जानकारी दी।

रोहित-कोहली का अर्द्धशतक बेकार, कंगारुओं ने जीता तीसरा वनडे

भारत का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय टीम ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा और आखिरी वनडे गंवाया। भारत को राजकोट के मैदान पर 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 353 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय पारी 49.4 ओवर में 286 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने कातिलाना गेंदबाजी की। उन्होंने 10 ओवर में 40 रन देकर 4 अहम विकेट चटकाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 57 गेंदों में 5 चौकों और 6 छक्कों की बदौलत 81 रन की पारी खेली। विराट कोहली ने 61 गेंदों में 56 रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 1 छक्काजमाया। हालांकि, भारत 2-1 से सीरीज अपने नाम करने में कामयाब रहा। भारत ने पहले वनडे में 5 और दूसरे मैच में 99 रन से जीत हासिल की थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छा आगाज किया। रोहित और वॉशिंगटन सुंदर (30 गेंदों में 18) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सुंदर 10वें ओवर में आउट हुए। रोहित और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन की पार्टनरशिप की। रोहित ने 21वें और कोहली ने 27वें ओवर में अपना विकेट खोया। तीनों मैक्सवेल के जाल में फंसे। श्रेयस अय्यर (43 गेंदों में 48, एक चौका, दो छक्के) और केएल राहुल (30 गेंदों में 26, दो चौके) ने चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी और भारत को 220 के पार पहुंचाया। सूर्यकुमार यादव (8) का बल्ला नहीं चला। मैक्सवेल ने अय्यर को 39वें ओवर में बोल्ड किया। इसके बाद, भारत की हालत लगातार खस्ता होती चली गई। रविंद्र जडेजा (36 गेंदों में 35, तीन चौके, एक सिक्स) को दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। जोश हेजलवुड ने दो जबकि मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, कैमरून ग्रीन और तनवीर सांघा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 352 रन जुटाए। सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श ने सर्वाधिक रन बनाए। उन्होंने 84 गेंदों में 13 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 96 रन की पारी खेली।

भारत ने दो स्वर्ण समेत सात पदकों पर लगाया निशाना

हांगझोउ, 27 सितंबर। 19वें एशियाई खेलों के चौथे दिन बुधवार को भारत ने निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित सात पदक जीत लिये। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिद्म सांगवान की तिकड़ी को महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महलि व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की सफ्टि कौर सामरा ने दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। सिफ्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 469.6 अंक का स्कोर करते हुए व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जो नया विश्व रिकॉर्ड है।

सिफ्ट कौर सामरा ने नीलिंग में 154.6, प्रोन में 157.9 और स्टैंडिंग एलिमिनेशन में 157.1 का स्कोर बना कर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में क्यूनग्यू झांग चीन को 7.3 अंकों के आसान अंतर से हराया। भारत की कांस्य पदक विजेता आशी चौकसे रजत पदक जीतने की रेस में थीं, लेकिन उनके आखिरी शॉट में 8.9 से नीचे के स्कोर के कारण क्यूनग्यू झांग ने रजत पदक अपने नाम किया और उन्हे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। क्वालीफाइंग राउंड में, सिफ्ट कौर सामरा ने 594 (28) के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौकसे 590 (24) के साथ छठे स्थान पर रहीं और मानिनी कौशिक 580 (28) के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत की तिकड़ी ने क्वालीफाइंग राउंड में अपने क्युमुलेटिव स्कोर 1764 के दम पर टीम रजत पदक जीता। चीन (1773) और कोरिया गणराज्य (1756) ने क्रमश: स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किया।

मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की भारतीय महिला 25 मीटर पिस्टल टीम ने 1759 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन (1756) और दक्षिण कोरिया (1742) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया।

मनु भाकर क्वालीफाइंग राउंड में 590 (28) के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने 586 (17) के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। रिदम सांगवान 583 (23) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। ज्ञातव्य है कि व्यक्तिगत स्पर्धा में एक देश से केवल दो ही निशानेबाज अंतिम आठ में पहुंच सकते हैं इसलिए रिदम सांगवान जगह बनाने से चूक गईं।

मोदी ने टीम को दी बधाई

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एशियाई खेलों में 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को स्वर्ण और 50 मीटर राइफल महिला टीम को रजत पदक जीतने पर बधाई दी है। मोदी ने आज सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, भारत के लिए एक अनुकरणीय स्वर्ण। 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को बधाई, जिसमें मनु भास्कर, रिद्म सांगवान और ईशा सिंह शामिल हैं, उनकी शानदार जीत के लिए! उनके उल्लेखनीय टीमवर्क से अच्छे परिणाम मिले हैं। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ। उन्होंने 50 मीटर राइफल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली खिलाड़ियों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला खिलाड़ियों ने असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

एशियाई खेल : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 13-0 से हराया

हांगझोउ, 27 सितंबर। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को संगीता कुमारी की हैट्रिक और साथी खिलाड़ियो के शानदार खेल की बदौलत सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में पूल ए में भारत बनाम सिंगापुर महिला हॉकी मुकाबले में संगीता ने 23वे, 53वें, 47वें मिनट में तीन गोल किये जबकि नवनीत कौर ने 14वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही बैक-टू-बैक पांच गोल कर सिंगापुर की टीम को दबाव में ला दिया। खेल के पहले 15 मिनट में भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर ने लगातार दो गोल किए, जिसके बाद भारत की बढ़त 5-0 होगी। नवनीत कौर के अलावा खेल के पहले क्वार्टर में उदिता, सुशीला चानू और दीपिका ने भी 1-1 गोल अपने नाम किए। दूसरे क्वार्टर भी भारतीय टीम ने तीन और गोल कर मैच में बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इस दौरान भारत की ओर से दीप ग्रेस एक्का और नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया तो वहीं संगीता कुमारी ने फील्ड गोल किया। इस तरह पहले हाफ की समाप्ति पर भारतीय महिला टीम ने 8-0 से अपनी बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हाफ में भी सविता पूनिया एंड कंपनी बेहतरीन फॉर्म में नज़र आई और तीसरे क्वार्टर में एक और गोल किया। इस बार सलीमा टेटे ने मुकाबले के 35वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल किया। इस बीच मुकाबले के 47वें मिनट में भारत की संगीता कुमारी ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत की बढ़त को दहाई आंकड़े तक पहुंचा दिया। भारत की मोनिका ने 52वें मिनट में तो 53वें मिनट में संगीता कुमारी ने विपक्षी गोलकीपर को चकमा देते हुए बेहतरीन गोल किया। इस गोल के साथ भारतीय महिला टीम ने मैच के आख़िर तक 13-0 से अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारत का अब अगला मुकाबला 29 सितंबर को मलेशिया से होगा।

विश्व कप से कम कुछ भी मंजूर नहीं : बाबर आजम

इस्लामाबाद, 27 सितंबर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य विश्व कप को घर लाना है और टीम के सभी सदस्यों को इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। भारत रवाना होने से पहले बाबर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पाकिस्तान 2019 विश्व कप में अंतिम चार में जगह बनाने में विफल रही थी मगर इस बार टीम अंतिम चार में पहुंचने के बारे में ही नहीं बल्कि विश्व कप को अपने कब्जे में लेने के लक्ष्य के साथ जा रही है। हमे यह नहीं भूलना चाहिये कि उनकी टीम हालिया समय में विश्व की नंबर एक टीम थी।

उन्होने कहा, टॉप फ़ोर तो बहुत छोटा लक्ष्य होगा। हम यह टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। हमने विश्व कप से पहले कोई कैंप नहीं रखा क्योंकि हम लगातार खेलते आएं हैं। हमने खिलाड़ियों को ताज़ा रखने के लिए उन्हें विश्राम दिया। एशिया कप के आख़िरी दो मुक़ाबलों से पहले तक हम बढ़िया खेल रहे थे। हमने सही डेलिवर नहीं किया, लेकिन अपनी ग़लतियों से काफ़ी कुछ सीखने को मिला है। एशिया कप अलग था। विश्व कप अलग होगा।

विश्व कप से पहले पाकिस्तान के लिए मैदान पर और उसके बाहर कई विवाद उत्पन्न हुए हैं। भारत से बड़ी हार के बाद नसीम शाह और हारिस रउफ़ को लगी चोटों ने टीम को परेशान किया। शादाब ख़ान के फ़ॉर्म गंवाने से पाकिस्तान को फ़हीम अशरफ़ की जगह लेग स्पिनर उसामा मीर को टीम में शामिल करना पड़ा। इसके अलावा भारतीय वीज़ा मिलने में देरी के चलते टीम को दुबई में एक 'बॉन्डिंग' कैंप को रद्द करना पड़ा। ऊपर से बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच केंद्रीय अनुबंधों को लेकर अब चार लगातार महीने तक असहमति बनी हुई है।

बाबर ने कहा, हम इस बाहर के शोर को ब्लॉक करते हुए 100 प्रतिशत एकाग्रता पर ध्यान देते हैं। मैं कोशिश करता हूं कि यह शोर कभी ड्रेसिंग रूम तक नहीं पहुंचे। वीज़ा मिल गए हैं और मुझे उम्मीद है अनुबंधों की बात भी जल्दी ही सुलझ जाएगी। ड्रेसिंग रूम में कोई मनमुटाव नहीं है। किसी भी हार के बाद बहस होना लाज़मी है, लेकिन इसे मीडिया में अलग रंग दे दिया जाता है। टीम एक परिवार की तरह है और सब खिलाड़ियों के बीच स्नेह और सम्मान है।

अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को भारत से मुकाबले को लेकर उन्होने कहा अहमदबाद के खचाखच भरे मैदान में खेलने में मुझे बहुत मज़ा आएगा। बड़े टूर्नामेंट में आपके पास बड़ा मौक़ा भी रहता है। विश्व कप में अच्छा परफ़ॉर्मेंस आपको हीरो बना सकता है। ऐसे पटल पर अच्छा करने की बात ही कुछ और है। हालांकि यहां अच्छा करने के लिए दबाव ना लेना ज़रूरी है।

जिन जिलों में कांग्रेस मजबूत, वहीं मुख्यमंत्री के दौरे होंगे!

मुख्यमंत्री के दौरे में सिर्फ तीन जिले ऐसे, जहां वर्ष 2018 में कांग्रेस की हालत बेहद खराब रही

- **हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद क्या कांग्रेस फिर इन जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा**

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार से 20 जिलों के दौर शुरू कर दिए हैं। पहले दिन उन्होंने जयपुर जिले की चौमूं, सीकर जिले की दातारामगढ़ स्थित खाटूश्यामजी और चुरू जिले में सुजानगढ़ की सालासर क्षेत्र में अपने दौरे की शुरुआत की। वहीं अब मुख्यमंत्री गुरुवार से बाकी जिलों का दौर शुरू करेंगे।

दरअसल पहले प्रदेश कांग्रेस की ओर से तय किया गया था कि 25 से 29 सितंबर तक ईआरसीपी की मांग को लेकर 13 जिलों की यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें मंत्री-विधायक शामिल होंगे, लेकिन पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस के मंत्री-विधायकों का सार्वजनिक विरोध तेज होता देखकर इस यात्रा को रद्द कर दिया गया। उसके बाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 20 जिलों का दौरा तय किया गया, जो 27 सितंबर से 7 अक्टूबर तक पूरा होना है।

दरअसल इस दौर में मुख्यमंत्री ने उन जिलों को चुना है जहां कांग्रेस पहले से अच्छी स्थिति में है। यानी कि जयपुर जिले में कांग्रेस के पास 12 सीटें हैं, वहीं दो निर्दलीय भी कांग्रेस समर्थित है। ऐसे में जयपुर जिले को मुख्यमंत्री के दौरे के लिए चुना गया है। वही सीकर जिले में कांग्रेस के पास सभी सीट हैं। ऐसे में पहले दिन सीकर जिले का दौरा तय किया गया है, जहां मुख्यमंत्री ने खाटूश्यामजी के दर्शन किए। वहीं चुरू जिले में भी कांग्रेस के पास अधिकांश सीट हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के दौरे के पहले दिन चुरू जिले में सालासर बालाजी धाम देवदर्शन का कार्यक्रम रखा गया।

अलावा भी मुख्यमंत्री ने जिन जिलों में दौरे रखे हैं, उनमें बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सिरोही, जालौर और पाली शामिल हैं। इनमें से सिरोही, जालौर और पाली को छोड़ दे, तो बाकी सभी जिलों में कांग्रेस की स्थिति अच्छी रहती है। हालांकि पिछले चुनाव में डूंगरपुर-बांसवाड़ा में पार्टी को ज्यादा सफलता नहीं मिली थी और बीटीपी ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया था।

दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि जिस तरह से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ हम जीतेंगे। तेलंगाना भी जीतने जा रहे हैं, लेकिन राजस्थान में मुकाबला नजदीकी रहेगा। हालांकि इस बात पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा हम जीतेंगे और बहुमत लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के बयान को लेकर चैलेंज स्वीकार करने के बजाय खुद चैलेंज दे दिया है। ऐसे में अब खुद मुख्यमंत्री पर यह भार है कि वह किसी भी स्थिति में राहुल गांधी की कई बात को झूठा साबित करें और पार्टी को जीत दिलवाएं। यही कारण है मुख्यमंत्री है अपने दौरों के लिए उन दौरों को चुना है जहां पहले से ही पार्टी मजबूत बनी हुई है। हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद कांग्रेस फिर इन जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा।

नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप ने की 205 करोड़ रुपये की जी. एस. टी. चोरी

आमजन को अच्छे रिटर्न का झांसा देकर 2700 करोड़ रु. निवेश करवाकर धोखाधड़ी की इस ग्रुप ने

- **जी.एस.टी. विभाग की जांच में सामने आया कि ग्रुप ने करीब 1000 करोड़ रु. धोखाधड़ी में शामिल एजेंट्स को कमीशन व बोनस बांटा**
- **जी.एस.टी. विभाग को जांच में इस ग्रुप द्वारा 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे में आने वाली अघोषित आय का पता चला जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीकर के नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप ने आमजन से करीब 2700 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी व अन्य जगहों पर निवेश के नाम पर हड़प लिए थे। अब केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) विभाग ने भी इस ग्रुप की 205 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी है। साथ ही जीएसटी विभाग को जांच में इस ग्रुप द्वारा 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे में आने वाली अघोषित आय का पता भी चला है।

केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर के प्रधान आयुक्त जयप्रकाश सिंह ने बताया कि नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप द्वारा 2700 करोड़ रुपये आमजन से निवेश के नाम पर हड़पने के मामले सूचना मिलते ही अपर आयुक्त बसंत गढ़वाल के नेतृत्व में जांच शुरू करवाई।

जी.एस.टी. विभाग की जांच में सामने आया कि इस ग्रुप ने लोगों को लोक लुभावन सपने दिखाकर उनसे जमीन व अन्य जगहों पर रकम निवेश करवाई और अच्छे रिटर्न का झांसा देकर रकम हड़प ली। कंपनी ने लोगों को फंसाने के लिए बतौर एजेंट्स काम करने वाले लोगों को 1 हजार करोड़ रुपये का कमीशन और बोनस तक बांट दिया। इस ग्रुप ने राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में करीब 30 जी.एस.टी. फर्म बनाकर निवेश करवाया, लेकिन जी.एस.टी. विभाग को कोई टैक्स जमा नहीं कराया।

गत 25 सितंबर को सीजीएसटी आयुक्तालय जयपुर के अधिकारियों के साथ नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच की गई। जिसमें अभी तक सामने आया कि करीब 2700 करोड़ रुपये नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर में लोगों द्वारा निवेश किए गए। इस ग्रुप ने 5 प्रतिशत प्रशासनिक शुल्क के रूप में 140 करोड़ रुपये वसूल किए। जी.एस.टी. विभाग की अब तक की जांच में इस ग्रुप की करीब 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे वाली अघोषित आय के बारे में मालूम चला है, जिस पर करीब 205 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी इस ग्रुप द्वारा की गई है। केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर द्वारा इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

स्मार्ट सिटी परियोजना में प्रदेश को परफॉर्मेंस स्टेट अवॉर्ड

जयपुर, (का.सं.)। स्मार्ट सिटी परियोजना में परफॉर्मेंस स्टेट अवॉर्ड श्रेणी में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर रहा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन्दौर में इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग कैलाश चन्द मीणा को अवॉर्ड प्रदान किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयपुर स्मार्ट सिटी राजेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

इन्दौर में आयोजित इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान एवं उनके मंत्रीमण्डल के सदस्य, सांसद एवं महापौर उपस्थित थे।

इण्डिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड प्रतियोगिता में उदयपुर स्मार्ट सिटी को नॉर्थ जोन कैटेगरी में प्रथम अवॉर्ड एवं मोबाईल ऐप्लीकेशन अवॉर्ड तथा उदयपुर स्मार्ट सिटी के लिए बेस्ट पार्टनर अवॉर्ड एल एण्ड टी को प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड उदयपुर स्मार्ट सिटी मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्पणा गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण पाल सिंह चैहान, एल एण्ड टी के उपाध्यक्ष श्रीधरन, महाप्रबंधक हनमुंगम ने प्राप्त किया। इण्डिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड प्रतियोगिता की राज्य श्रेणी में मध्यप्रदेश ने प्रथम स्थान, तमिलनाडू ने दूसरा स्थान तथा राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में होगा प्राचीनता व नवीनता का अद्भुत संगम

जयपुर, (का.सं.)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2024 एक बार फिर अपने श्रोताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है। विचारों और चर्चाओं के ये मंच हर साल देश और दुनिया के श्रेष्ठ वक्ताओं को विविध विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करता है। वर्ष 2024 में इस आइकोनिक फेस्टिवल के 17 साल पूरे होने जा रहे हैं। आज टीमवर्क आर्ट्स ने, धरती के सबसे बड़े साहित्यिक शो के 17वें संस्करण की तारीखों की घोषणा की। ये फेस्टिवल 2024 में होटल क्लार्क्स, आमेर, जयपुर में 1 से 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। 2024 में विविध भारतीय भाषाएं वैश्विक मंच पर अपनी कहानी, अपनी संस्कृति को बयां करेंगी। फेस्टिवल में असमी, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, उर्दू सहित कई अन्य भाषाओँ की उपस्थिति रहेगी।

साहित्य आज विविधता को अपनाकर, उभरते माध्यमों के अनुरूप खुद को ढालते हुए, गंभीर सामाजिक मुद्दों पर बात कर रहा है। आधुनिक साहित्य प्राचीनता और नवीनता के मध्य एक पुल बना रहा है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आमंत्रित वक्ता समकालीन समाज की जटिलताओं और चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे। हर साल की तरह, इस साल भी फेस्टिवल अपने मूल आदर्श के प्रति दृढ़ है: एक ऐसा लोकतान्त्रिक मंच प्रस्तुत करना, जहाँ हर कोई अपनी बात रखने के लिए स्वतंत्र हो। पांच दिवसीय इस फेस्टिवल में, 4 वेन्यु पर, 300 से अधिक वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे। 25 वक्ताओं की लिस्ट आज जारी की गई, जिसमें शामिल हैं भारतीय लेखक, स्तंभकार, स्क्रीनराइटर, टेलीविजन पर्सनेलिटी, कार्टूनिस्ट और मोटिवेशनल स्पीकर आनंद नीलकंठन, पुरस्कृत ब्रिटिश पत्रकार औरसुपीरियर: द रिटर्न ऑफ़ रेस साइंस सहित चार किताबों की लेखिका एंजेला सैनी, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित असमी लेखिका और पत्रकार अनुराधा शर्मा पुजारी, तमिल और मलयाली भाषाओँ के जाने-माने लेखक और साहित्य समीक्षक बी. जयमोहन;ब्रिटिश समीक्षक, स्तंभकार औरद रिसेंट कोल्दित्ज़: प्रिज़्नर ऑफ़ द कासल के लेखक बेन ममाकिन्त्रे, प्रमुख भारतीय कला इतिहासकार, अकादमिक और लेखक बी.एन. गोस्वामी, पुरस्कृत लेखक और अकादमिक ब्रायन ए. कात्लोस, पुरस्कृत नाटककार, लेखिका और ब्रॉडवे एक्ट्रेस कैथरीन एन जोन्स, पुरस्कृत ऑस्ट्रेलियाई इतिहासकार, लेखिका, ब्रॉडकास्टर एंड पब्लिक कमेंटेटर क्लेयर राइट; जाने-माने यात्रा लेखक और उपन्यासकार कोलिन थुब्रों, नेशनल म्यूज़ियम ऑफ़ एशियन आर्ट, साउथ एशिया की क्यूरेटर डेबरा डायमंड, क्वाटर लाइफ की नवोदित उपन्यासकार देविका रेगे, द हीट विल किल यू फर्स्ट के कामयाब अमेरिकी लेखक जेरी ब्रोटन, कश्मीर में जन्मी, न्यू यॉर्क में रहने वाली लेखिका और अनुवादक कल्पना रैना, पुरस्कृत किताब पोम्पेइ की लेखिका मैरी बियर्ड, चित्तकोबरा, काठगुलाब और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित उपन्यास मिलजुल मन की लेखिका मृदुला गर्ग, आर्ची कॉमिक्स पब्लिकेशन की को-फाउंडर और को-सीईओ नैंसी सिल्बेर्केल्ट, द विल्डिंग्स सहित तीन पुरस्कृत उपन्यासों की लेखिका नीलांजना एस. रॉय, पुरस्कृत पत्रकार और इंटरनेशनल बेस्टसेलर्स से नथिंग, एम्पायर ऑफ़ पेन, एंड रोगुएसके लेखक पैट्रिक रेडन कीफ, भारतीय पत्रकार और उपन्यासकार राज कमल झा;47 मानक डॉक्टरेट प्राप्तकर्ता और पद्मश्री, पद्मभूषण व पद्मिवभूषण से सम्मानित आर.ए. माशेलकर, द केस फॉर नेचर के लेखक सिद्धार्थ श्रीकांत उड़ीसा हाईकोर्ट के भूतपूर्व चीफ़ जस्टिस और पंजाब व हरियाणा और दिल्ली हाईकोर्ट के जज एस. मुरलीधर, पुरस्कृत इतिहासकार, अनुवादक और ब्रॉडकास्टर टॉम हॉलैंड।

कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के सरकारी आवास पर इन दिनों रोजाना कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सचिन पायलट ने उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका है और अगले 10-15 दिनों में कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है, ऐसे में विधानसभा चुनाव में टिकट चाहने वाले उम्मीदवार पायलट से मिलकर अपना बायोडाटा सौंप रहे हैं। पायलट के समर्थकों में भारी जोश व उत्साह देखा जा रहा है।

‘केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा किसकी क्या भूमिका होगी, आप सिर्फ कमल के फूल को ध्यान में रखिए’

अमित शाह और जे.पी. नड्डा ने प्रदेश के भाजपा नेताओं को स्पष्ट हिदायत दी

- **शाह और नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भी बैठकों में शामिल हुए। तीनों नेताओं ने विभिन्न नेताओं से अलग-अलग मंत्रणा भी की।**
- **रात 8 बजे शुरू हुई बैठकें देर रात तक चलीं।**
- **कल सुबह शाह व नड्डा का संघ के नेताओं से मीटिंग का कार्यक्रम है। फिर 11 बजे तक दोनों दिल्ली लौट जाएंगे।**

जयपुर, 17 सितम्बर (का.सं.)। विधानसभा चुनाव के सम्बंध में चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने होटल ललित में प्रदेश के नेताओ की बैठक ली। कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक में साफ कहा कि- चुनाव सिर पर हैं और सभी को आपसी समन्वय से आगे बढ़ना है। इस दौरान प्रत्याशियों की पहली सूची पर भी चर्चा हुई। टिकट वितरण के बाद असंतुष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा बगावत नहीं हो, इस पर भी दिशा-निर्देश दिए गए। करीब 2.15 घंटे बाद सतीश पूनिया और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ रवाना हो गए। पर मीटिंग्स का दौर चलता रहा।

सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण को लेकर लंबी बातचीत चली। शाह, नड्डा व संतोष ने कुछ नेताओं से अलग-अलग बातचीत भी की, जो आधी रात तक चली। सूची में शामिल नहीं होने के बावजूद सांसद दिया कुमारी भी होटल पहुँची लेकिन होटल के अंदर करीब 10 मिनट रही और वापस रवाना हो गई। उनका होटल में पहुँचना भी चर्चा का विषय रहा। बैठक में कोर कमेटी के सदस्य सांसद कनकमल कटारा को शामिल नही करना भी चर्चा का विषय रहा, वे एसटी वर्ग का प्रतिनिधि करते हैं।

बैठको में चुनाव के आगामी प्लान से लेकर भाजपा के प्रत्याशी चयन को लेकर रोडमैप तैयार किया गया है। सभी नेताओं को अपनी व्यक्तिगत छवि को दरकिनार कर केवल कमल के फूल को ध्यान में रखकर मैदान में उतरने की हिदायत दी गई है। जिन बड़े नेताओं, सांसदों को टिकट दिया जाना है, उनके नामों पर, प्रदेश में भाजपा को कांग्रेस और गहलोत सरकार से मिल रही चुनौतियों पर चर्चा हुई। बैठक में चुनावों में संघ की भूमिका, आगामी दिनों में प्रदेश में होने वाली चुनावी गतिविधियां, सभाएं और बूथ स्तर तक पार्टी की व्यूह रचना, भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किए जाने वाले अहम मुद्दों, गहलोत सरकार को घेरने के लिए उठाए जाने वाले मसलों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि सभी नेताओं को संकेत दे दिए गए हैं कि प्रत्याशी चयन में अहम रोल केन्द्रीय नेतृत्व का ही रहेगा। साफ है कि सर्वे रिपोर्ट में आए दावेदारों के नामों में से ही भाजपा विधानसभावार प्रत्याशी तय करेगी। बैठक के बाद राजस्थान में बड़े नेताओं की भूमिका भी तय होने की चर्चाए हैं। सभी नेताओं के हालांकि चुनावी जीत के सुझाव लिए गए हैं। जानकारी के अनुसार चुनिंदा बड़े नेताओं से अलग से मंत्रणा कर उनका फीडबैक भी लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार शाह गुरुवार सुबह संघ के नेताओं से भी चुनावी चर्चा कर सकते हैं, जिनमे निम्बाराम, प्रकाश चंद, रामप्रसाद शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि चुनाव में संघ के सुझाव लिए जाएंगे। संघ के नेताओं से बैठक कहां होगी, देर रात तक तय नहीं हुआ था। संभवतः होटल में ही उनसे बैठक होगी। बताया जा रहा है कि शाह-व नड्डा संघ के सहकार मार्ग स्थित सेवा भारती कार्यालय भी जा सकते हैं।

महामंत्री बी.एल. संतोष सुबह संघ की शाखा में जा सकते हैं। वही शाह व नड्डा का गुरुवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकों से मिलने का भी कार्यक्रम है। यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शाह व नड्डा रात्रि विश्राम होटल में ही करेंगे। इसके लिए होटल की सातवीं मंजिल पर लगभग 16 कमरे बुक किए हैं। शाह और नड्डा सुबह 11 बजे रवाना हो जाएंगे। कोर कमेटी की इस बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, प्रभारी अरुण सिंह, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, विजया राहटकर, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और नारायण पंचारिया शामिल हुए।

नड्डा और शाह का पहले सीधे प्रदेश कार्यालय आने का कार्यक्रम था लेकिन ऐन वक्त पर मीटिंग की जगह बदली गई। इसके बाद सभी नेता, पदाधिकारी होटल के लिए रवाना हुए। होटल पहुचने के बाद इन नेताओं ने खाना खाया। फिर बैठक रात करीब 8 बजे शुरू हुई।

बी.एल. संतोष सुबह ट्रेन से जयपुर पहुंचे। वे रेलवे स्टेशन से सेवा सदन पहुंचे और इसके बाद प्रदेश कार्यालय आए। यहां प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के साथ करीब दो घंटे चुनावी चर्चा की।

मेयर मुनेश गुर्जर के दोबारा निलम्बन पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा

मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी

- **हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने पहले 5 अगस्त को निलम्बित किया था और उन पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया गया था।**
- **चार अगस्त को मेयर के पति सुशील गुर्जर की, नगर निगम के पट्टे जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तारी हुई थी, राज्य सरकार ने इसमें मेयर मुनेश गुर्जर को भी दोषी माना था।**
- **23 अगस्त को हाई कोर्ट ने मेयर का निलम्बन रद्द कर दिया था, पर राज्य सरकार ने 22 सितम्बर को पुनः मेयर मुनेश गुर्जर को निलम्बित कर दिया।**

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को पुनः निलंबित करने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने कहा कि उनकी ओर से मामले में कैविएट लगाई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में जवाब पेश करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी।

याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे, जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर मुनेश गुर्जर को हैरिटेज निगम के मेयर पद से निलंबित कर दिया था। निलंबन आदेश में कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल हैं और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी है। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने 5 अगस्त को मेयर मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुड़े इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

चन्द्रबाबू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव खन्ना के साथ बैंच में बैठे हुये थे, ने इस याचिका की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया, तो टी.डी.पी. नेता की ओर प्रस्तुत वरिष्ठ एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा तुरंत ही मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष चले गये।

इस बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा भी शामिल थे, ने कहा, "हम इसे किसी समुचित बैंच द्वारा सुनवाई के लिये मंगलवार को सूचीबद्ध कर देंगे।" अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह बैंच अभियोग पक्ष की दलील, जिसमें टी.डी.पी. नेता की पुलिस कस्टडी और बढ़ाने की मांग की जा रही है, पर निर्णय लेने से ट्रायल जज को नहीं रोक सकती।

ज्ञातव्य है कि, जब नायडू 2015 में मुख्यमंत्री थे, उस समय स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के पैसे के कथित दुरूपयोग को लेकर, 9 सितम्बर को वे गिरफ्तार कर लिये गये थे। इसके फलस्वरूप राज्य के राजकोष का 371 करोड़ रू. का कथित भुगतान हुआ था। उनकी जुडिशियल रिमांड ट्रायल कोर्ट ने 5 अक्टूबर के लिये बढ़ा दी है।

बिधूड़ी टोंक में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह निर्णय इन अनुमानों-अटकलों के बीच लिया गया है कि कांग्रेस नेता सचिन पायलट आसन्न विधानसभा चुनावों में टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। टोंक पायलट का गढ़ है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव इस साल नवम्बर में या उससे पहले होने हैं। इस चुनाव में 200 विधायक चुने जायेंगे।

अभी हाल ही में, चन्द्रयान-3 मिशन पर लोकसभा में चल रही चर्चा के दौरान, भाजपा सांसद बिधूड़ी द्वारा बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक मुस्लिम विरोधी टिप्पणियों के बाद, बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

उनकी टिप्पणियों को लेकर आक्रोश पैदा होने के बाद, वे टिप्पणियाँ सदन की कार्यवाही से हटा दी गई थी।

विपक्षी दल कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की थी। कम से कम चार विपक्षी दलों ने स्पीकर से अनुरोध किया है कि यह प्रकरण विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाये।

स्पीकर को लिखे गये अपने पत्र में, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा था, "संसद के इतिहास में, किसी अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के खिलाफ ऐसे शब्द काम में नहीं लिये गये हैं।"

टिप्पणी को लेकर पैदा हुये विवाद के बाद, भाजपा ने बिधूड़ी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था।

‘डिग्रीधारी इंजीनियर कर रहे हैं कुली का काम’

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया है, इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, भारत के मेहनती कुली भाइयों से दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर मिला। उन्होंने कहा, "डिग्री इंजीनियर की, काम कुली का, ऐसी बेरोज़गारी से त्रस्त हैं। रेलवे से न पगार, न पेंशन, न स्वास्थ्य बीमा और न सरकारी सुविधा। मगर इन्हें उम्मीद है, समय बदलेगा और मुझे पूरा विश्वास।"

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी बेरोजगारी को लेकर 'एक्स' पर कहा कि, बेरोजगारी के कारण युवा त्रस्त हैं और वे कुली का काम करने को भी मजबूर हैं। उन्होंने कहा, पिछले महीने आनंद विहार टर्मिनल के कुलियों ने गांधी से मिलने की इच्छा जताई थी। गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाते हुए उनसे मुलाक़ात की।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यकर्ताओं की एक-एक मीटिंग में उन्होंने कहा बताया, "हम बड़े नेता हो गए हैं, क्या हम अब वोटों की भीख मांगने जाएंगे।"

मीडिया रिपोर्टर्स और कई चुनाव पूर्व सर्वे बताते है कि मध्य प्रदेश में भाजपा को भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस आगे बताई जा रही है। राजस्थान में भी कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है।

भाजपा की केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतारने की रणनीति संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़े जाएंगे, जिसमें प्रदेश के पार्टी नेताओं की सीमित भूमिका होगी। भाजपा सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व की मौजूदगी से चुनावों में अप्रत्याशित एवं नए घटक भी शामिल होंगे, जिससे पार्टी को लाभ होगा।

गंगानगर-हनुमानगढ़ में एन.आई.ए. ने 3 जगहों पर दी दबिश

कैनडा के खालिस्तानी नैटवर्क से तार जुड़े होने की आशंका में एन.आई.ए. ने यह कार्यवाही की

- **सूरतगढ़ क्षेत्र की ठुकराणा ग्राम पंचायत में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी सम्पर्क होने और विदेश से पैसे मंगवाने की जानकारी मिली है।**
- **संदेह के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ के बाद उनके मोबाइल फोन जब्त किए गए।**

हनुमानगढ़/गंगानगर, 27 सितम्बर (कासं)। कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क के तार सूरतगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की आंशका को लेकर राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार तड़के दबिश दी, जिसमें कैनडा से स्थानीय लोगों को हुई फंडिंग के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं।

सूरतगढ़ क्षेत्र ठुकराणा ग्राम पंचायत के चाड़सर गांव में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी समर्थकों से संपर्क होने के साथ-साथ विदेश से पैसे मंगवाने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सी/एन.आई.ए.)की टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान एन.आई.ए. की टीम के साथ राजियासर व गजसिंहपुर का पुलिस जाप्ता भी था। बुधवार तड़के 5 बजे ठुकराणा पंचायत के चाड़सर गांव में दबिश दी गई। दोपहर बारह बजे तक चली इस पूछताछ की कार्रवाई के दौरान, संबंधित आवास और गांव के सभी रास्तों पर लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

हनुमानगढ़ जिले में भी बुधवार को एन.आई.ए. की टीम ने कुछ जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की। टीम ने कुछ लोगों को संदेह के आधार पर चिन्हित कर उनसे पूछताछ की। टीम ने कुछ घरों में सर्च अभियान भी चलाया और, कहा जा रहा है कि, लोगों से पूछताछ कर कुछ अहम जानकारी जुटाई। बताया जा रहा है कि, चिन्हित लोगों के बैंक खातों को भी जांचा गया है।

अचानक की गई उक्त कार्रवाई की आसपास के क्षेत्रों में चर्चा रही। हालांकि जिला पुलिस के अधिकारी इस संबंध में कार्रवाई को लेकर किसी तरह की जानकारी देने से बचते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने इतना ही बताया कि, टीम जिले में आई है, कुछ जगहों पर कार्रवाई भी की है, जिला पुलिस ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाई है तथा कुछ गोपनीय मामलों को जांचने में टीम जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि गोलूवाला थाना क्षेत्र के तीन एच.डी.पी. गांव में एन.आई.ए. टीम ने कार्रवाई की। अल सुबह टीम गांव में पहुंच गई। जिस घर में कार्रवाई को अंजाम दिया गया, उस गली को पूरी तरह से सील कर दिया गया था। स्थानीय पुलिसकर्मियों को भी जांच के दायरे से बाहर रखा गया। करीब चार घंटे की पूछताछ के बाद टीम वहां से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार विदेशी फंडिंग मामले में गोलूवाला के तीन एचडीपी निवासी महेन्द्र वर्मा के यहां टीम ने कार्रवाई की। महेंद्र पलम्बर का काम करता है। पुलिस ने लम्बी पूछताछ के बाद महेन्द्र का मोबाइल जब्त कर लिया। इसके बाद टीम गांव से रवाना हो गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ संदेह हुआ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के गांव मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

मणिपुरः दो स्कूली छात्रों की हत्या पर विरोध प्रदर्शन जारी

इंफाल, 27 सितंबर। मणिपुर में दो स्कूली छात्रों की हत्या के विरोध में बुधवार को भी जारी रहे विरोध प्रदर्शन में 90 से अधिक छात्र घायल हो गए। वहीं, राज्य सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी शैक्षिणक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। विशेष निदेशक अजय भटनागर के नेतृत्व में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम आतंकवादियों द्वारा दो स्कूली छात्रों (एक लड़के और एक लडकी) के "अपहरण और हत्या" के मामले की जांच करने के लिए यहां पहुंची।

छात्रों के लापता होने के बाद राज्य सरकार ने अगस्त में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। विरोध तेज होने पर सरकार ने मंगलवार को मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दीं। बड़ी संख्या में छात्र संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा की गई दोहरी हत्याओं पर नारे लगाते हुए बाहर आए।

भाजपा राजस्थान में "वसुंधरा फैक्टर"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कर्नाटक विधानसभा चुनाव और हालिया उप चुनावों में मिली हार से आहत भाजपा लोकसभा चुनाव से पूर्व होने वाले इन विधानसभा चुनावों में कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती है।**

चौहान को जगह नहीं मिल पाई है।

चौहान को टिकट नहीं मिलेगा यह कहना तो गलत है लेकिन "चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है" वाली बात 64 वर्षीय चौहान के राजनैतिक भविष्य के लिए ठीक नहीं है।

मध्य प्रदेश में चुनावी तैयारियों के संदर्भ में एन.डी.टी.वी. को कहा गया कि केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों को मैदार में उतारना सामूहिक नेतृत्व का संदेश देता है। आज यह संदेश और पुख्ता हो गया जब सूत्रों ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम को उतारने से उसे कांग्रेस के मुकाबले लाभ मिलेगा। इन पांच राज्यों में वरिष्ठ नेताओं को पाच वर्ष पूर्व हारी सीटें भी जीतने की जिम्मेवारी दी जाएगी।

भाजपा राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जहां मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति मैदान में है, में कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा यही रणनीति अपनाएगी।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में दूसरा रास्ता इख्तियार किया है जहां उसने मुख्यमंत्री पद के लिए वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भतीजे विजय को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी को उम्मीद है कि "बघेल बनाम बघेल" की परिवार में विभाजन की रणनीति उसके पक्ष में जाएगी।

विजय बघेल अभी लोकसभा सांसद हैं जो दुर्ग जिले की पाटन सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह सीट पर 2003 से दोनों के बीच झूल रही है और मुख्यमंत्री गत दो चुनाव यहां से जीते हैं।

भाजपा के अन्य संभावित उम्मीदवार हैं केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह और राज्यसभा सांसद सरोज पांडे। भाजपा ने अभी तक अपनी सूचियों में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का नाम नहीं जोड़ा है।

तेलंगाना में भाजपा का रुख उसके अभी चल रहे "मिशन साउथ" का हिस्सा है जिसके तहत दक्षिण भारत में सरकार बनानी है जहां अभी तक जनता उसके कट्टर राष्ट्रवादी एजेंडा को नकारती आई है।

पार्टी के पास कर्नाटक था लेकिन इस वर्ष के पूर्वार्द्ध में कांग्रेस ने भाजपा सरकार को बाहर कर दिया। केरल भाजपा के प्रति पूरी तरह उदासीन है, तमिलनाडु ने भी मोदी की पार्टी को ठुकरा रखा है और मंगलवार को अन्नाद्रमुक भी एन.डी.ए. गठबंधन से अलग हो गई।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी भाजपा जगह नहीं बना पाई है।

तेलंगाना में नवंबर में चुनाव होने वाले हैं और केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी संभावित बड़े नाम हैं। तेलंगाना के तिम्मापुर क्षेत्र के रहने वाले रेड्डी राज्य में पार्टी के अध्यक्ष भी हैं।

यह चर्चा है कि लोकसभा सांसद बांदी संजय कुमार और राज्यसभा सांसद डॉ.के. लक्ष्मण को भी ओ.बी.सी. चेहरों के रूप में उतारा जा सकता है। इस वर्ष पांचवा चुनाव मिज़ोरम में है जहां भाजपा को पड़ौसी मणिपुर की जातीय हिंसा की चुनौती का सामना करनाा पड़ेगा।

कांग्रेस हाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरे शब्दों में, गहलोत यह कह रहे हैं कि इतने ज्यादा विधायकों के टिकट मत काटिये तथा अगर आपको टिकट काटने ही हैं तो केवल उन विधायकों के टिकट काटिये, जिन्होंने, उनके अनुसार, पार्टी के साथ विश्वासघात किया था।

लेकिन असली बात यह है कि गौरव गोगोई के लिए राहुल गांधी के निर्देश स्पष्ट हैं- उनके टिकट काट दीजिये, जिनका हारना सुनिश्चित है। समझौता मत कीजिये।

अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मौजूदा विधायकों के टिकट बड़े पैमाने पर काटे जाने हैं।

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयोजक नारायण पंचारिया, जयपुर जिलाध्यक्ष राधव शर्मा, देहात जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, महापौर सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट, विधायक कालीचरण सराफ, नरपत सिह राजवी, अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, कैलाश वर्मा शामिल थे। उसके बाद जेपी नड्डा और अमित शाह होटल ललित पहुँचे, जहां उन्होंने भाजपा नेताओं की बैठक ली।

महाराष्ट्र में भाजपा ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि, सभी पार्टियाँ अपने प्रत्याशी से आगे बढ़कर अपना वर्चस्व दिखाएंगी। "उन्होंने कहा कि, शरद पवार व एन.सी.पी. बाकी दोनों पार्टियों के आगे झुकना पसंद नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र के एक भाजपा नेता ने कहा, "बहुत सारे क्षेत्र और सीटें हैं, जैसे साउथ सैन्ट्रल मुम्बई की लोकसभा सीट, जहाँ कांग्रेस और शिवसेना (यू.बी.टी.) दोनों ही दावेदार होंगे, और शिरडी जहाँ एम.वी.ए. के सभी घटक टिकट के दावेदार होगे, या फिर मराठवाड़ा, जहाँ एन.सी.पी. और शिवसेना (यू.बी.टी.) सीटों और प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा में होंगे इसमें विधानसभा सीटों की सीट शेयरिंग की जटिलता को भी जोड़ दिया जाए, तो ऐसी स्थिति बन सकती है कि, हर अधिकारिक प्रत्याशी के सामने दो विद्रोही उम्मीदवार होंगे।"

इस सोच के पीछे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ भाजपा का अनिश्चित सा समीकरण भी है। भाजपा महसूस करती है कि, राज्य में जहाँ यह गठबंधन सरकार बना सकता है, लेकिन गठबंधन का प्रधान पार्टनर बनने का संघर्ष अभी भी जारी हैं, जैसा कि, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष चंद्रबाबू बावनकुले के इस वक्तव्य से जाहिर है कि, अगले वर्ष भाजपा राज्य की 240 सीटों से चुनाव लड़ेगी और बाकी बची 48 सीटें शिवसेना को देगी। इसमे निर्दलियों का कोई ज़िक्र नहीं है।

इस वक्तव्य से विवाद शुरु हो गया है, और, हालांकि, राज्य मंत्री चंद्रकान्त पाटिल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है, लेकिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सावधान हो गई है। ऐसे परिदृश्य में, उम्मीद की जा रही है कि, राज्य विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव एकसाथ होने से मोदी की अपील प्रभावी होगी तथा भाजपा की राह आसान होगी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908